केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

2 अप्रैल 2026

गुरुवार

बक्सर में रसोई गैस की कोई कमी नहीं, अफवाहों से बचें : डीएम साहिला

2

एक नजर

अमरावती को आंध्र प्रदेश की राजधानी के रूप में मान्यता देने वाला विधेयक पारित

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश की एकमात्र और स्थायी राजधानी के रूप में अमरावती को मान्यता देने वाला विधेयक बुधवार को लोकसभा में पारित हो गया। विपक्षी कांग्रेस ने भी एनडीए के साथ इसका समर्थन किया। वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) ने बहस के दौरान विधेयक का विरोध किया और पारित होने के दौरान विरोध में सदन से वाकआउट कर दिया। यह विधेयक, जो अमरावती को एकमात्र और स्थायी राजधानी बनाने के निर्णय को भविष्य में किसी भी प्रकार से बदलने से रोकेगा, लोकसभा में ध्वनि मत से पारित हो गया। इसके साथ ही आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की आकांक्षा पूरी हो गई, जिनकी पार्टी टीडीपी सत्तारूढ़ एनडीए का एक प्रमुख घटक है। आंध्र प्रदेश पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक पर लगभग दो घंटे तक चली बहस के जवाब में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने आंध्र प्रदेश विधानसभा के उस प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए सदस्यों को धन्यवाद दिया, जिसमें केंद्र से अमरावती को आंध्र प्रदेश की राजधानी के रूप में कानूनी मान्यता प्रदान करने का आग्रह किया गया था।

एक परिवार असम को लूट रहा : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने बुधवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर जमकर हमला बोला और आरोप लगाया कि संसाधन संपन्न राज्य में केवल एक परिवार सब कुछ लूट रहा है, जबकि जनता के पास "कुछ भी नहीं है"। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार जनता को धमकाकर काम कर रही है। कांग्रेस उम्मीदवार देबब्रता सैकिया के समर्थन में नाजिरा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तीखा हमला किया और उन पर अमेरिका का "गुलाम" होने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि असम में एक परिवार सब कुछ लूट रहा है। और जब वे लूटपाट नहीं कर रहे होते हैं, तो खदानें, जमीनें और हर दूसरी संपत्ति बड़े उद्योगपतियों को सौंप दी जाती है।

भारत ने तेल-गैस के लिए छोटे-छोटे देशों पर लगाया बड़ा दांव

- भारत ने अपना ऊर्जा आयात 27 देशों से बढ़ाकर 41 देशों तक कर लिया है
- खाड़ी और बड़े देशों के अलावा भारत की वैकल्पिक ऊर्जा का सोर्स बन चुके हैं

एजेंसी। नई दिल्ली

नई दिल्ली। अमेरिका-ईरान युद्ध से काफी पहले ही भारत ने आने वाले संकट को भांप लिया था। यही वजह है कि भारत ने अपने तेल-गैस के आयात को 27 देशों से बढ़ाकर 41 देशों तक कर लिया है। सबसे खास बात यह है कि भारत की ये एनर्जी डायवर्सिफिकेशन रूस- अमेरिका और खाड़ी देशों से अलग है। भारत अब अपनी एनर्जी जरूरतों के लिए बड़े देशों के साथ-साथ छोटे-छोटे देशों पर भी दांव लगा रहा है। होर्मुज स्ट्रेट बाधित होने से काफी पहले ही भारत ने रणनीतिक रूप से अपने एनर्जी डायवर्सिफिकेशन में विविधता लाई है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐसे एनर्जी रिच देशों के दौरे किए हैं, जो आज भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में मददगार बन रहे हैं। वेडनेसडे बिग टिकट में जानते हैं पूरी कहानी।

भारत ने क्या पहले ही भांप लिया था एनर्जी संकट

भारत अपनी कुल तेल की जरूरत का करीब 90 फीसदी आयात करता है। इस वक्त करीब 41 देशों से कच्चा तेल मंगा रहा है। भारत ने काफी पहले से ही वैश्विक हालातों का अंदाजा लगाते हुए महीनों पहले ही अपनी एनर्जी जरूरतों के लिए किसी एक देश पर निर्भर रहने के बजाय कई देशों पर भरोसा जताया। इसी कड़ी में छोटे-छोटे देशों से भी तेल-गैस की खरीद के लिए समझौते किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ओमान, अल्जीरिया, अंगोला, अर्जेंटीना जैसे देशों तक अपनी एनर्जी जरूरत को पूरा करने के लिए दौरे-मुलाकातें कीं। लोकसभा में भी पीएम मोदी ने भारत के एनर्जी डायवर्सिफिकेशन के बारे में जानकारी दी थी। रूस और सऊदी अरब के बाद इराक भारत के लिए एक बड़ा तेल सप्लायर है। इराकी तेल भारत की रिफानरियों के लिए बेहतर माना जाता है। वह इस तेल को मीडियम और हेवी ग्रेड में बदलती हैं। इराक से भारत हर रोज करीब 9.8 लाख बैरल तेल मंगाता है। संयुक्त अरब अमीरात भी भारत के प्रमुख तेल आयातक देशों में से एक है। यहां से भारत हर दिन 5.5 लाख बैरल तेल का आयात करता है।पश्चिम एशिया के अलावा भारत ने अपने क्रूड ऑयल के लिए अमेरिका की ओर भी रुख किया है। अमेरिका का तेल हल्का होता है। यहां से हर रोज भारत 2.2 लाख बैरल तेल का आयात करता है। कुवैत भी भारत की एनर्जी जरूरतों को पूरा करने के लिहाज से बेहतर देश है। भारत यहां से मीडियम ग्रेड का क्रूड मंगाता है।

2027 की जनगणना का पहला चरण शुरू, लागू होंगे आयकर के नए नियम

एजेंसी। नई दिल्ली

1 अप्रैल 2026 को चैत्र मास की शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी है। 2027 की जनगणना का पहला चरण आज से शुरू हो रहा है। वहीं, आज से कई नियमों में बदलाव होने जा रहा है। इसमें नया आयकर अधिनियम और फैस्टैग पास में बढ़ोतरी शामिल है। जनगणना 2027 के पहले चरण की बुधवार से शुरूआत होगी। पहला चरण 30 सितंबर तक चलेगा। सरकार ने जनगणना 2027 के पहले चरण में पूछे जाने वाले 33 प्रश्नों को अधिसूचित किया है। नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, भारत के रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने बताया कि जनगणना दो चरणों में आयोजित की जाएगी। पहले चरण में घर-घर जाकर सूचीकरण और स्व-गणना की प्रक्रिया पूरी होगी। बता दें कि देश में 16 साल बाद जनगणना हो रही है। जनगणना का यह जिम्मा देश के 30 लाख कर्मियों को दिया गया है। नए वित्त वर्ष 2027 की शुरूआत के साथ ही 1 अप्रैल से देश में नया आयकर अधिनियम, 2025 लागू हो गया है। यह करीब छह दशक पुराने 1961 के कानून की जगह लेगा। इस नए कानून के तहत टैक्स सिस्टम, प्रक्रियाओं और नियमों में कई अहम बदलाव किए गए हैं।

घुसपैठ केवल चुनावी नहीं, राष्ट्रीय सुरक्षा का गंभीर मुद्दा

भाजपा की हैट्रिक और राहुल की हार की सेंचुरी लगेगी: पीएम मोदी

- असम में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर सिर्फ भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए ही बना सकता है
- 10 सालों में असम में 22 लाख से ज्यादा गरीब परिवारों को पक्के घर दिए गए

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को असम के गोगामुख में एक चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने पिछले 10 सालों में भाजपा सरकार के अंतर्गत असम में हुए विकास कार्यों की सराहना की। पीएम मोदी ने कहा कि जनता के आशीर्वाद से भाजपा इस बार जीत की हैट्रिक लगाएगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "भाजपा के 10 साल के शासन ने असम में 'सेवा' और 'सुशासन' के एक नए दौर की शुरूआत की है। पिछले 10 सालों में असम में 22 लाख से ज्यादा गरीब परिवारों को पक्के घर दिए गए हैं। भाजपा समान नागरिक संहिता लागू करेगी और असम की पहचान की रक्षा के लिए आदिवासियों के हितों की सुरक्षा करेगी। सुबनसिरी जलविद्युत परियोजना असम को बाढ़ से बचाएगी।

इस बार भाजपा की हैट्रिक पक्की है'

पीएम नरेंद्र मोदी ने आगे कहा, ₹हर कोई कह रहा है कि असम में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर सिर्फ भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए ही बना सकता है। असम के चुनाव की घोषणा के बाद ये मेरी पहली जनसभा है। ये जो सामने जनसमुद्र है, युवाओं का ये उत्साह, बहनों-बेटियों का ये आशीर्वाद, ये प्यार इस बात की खुली घोषणा है कि इस बार हैट्रिक पक्की है। उन्होंने कहा, ₹आप सबके आशीर्वाद से मुझे प्रधानमंत्री के रूप में हैट्रिक बनाने का अवसर मिला। आप सबके आशीर्वाद से इस मैदान में भी हैट्रिक लगाने का अवसर मिला है, मैं यहां तीसरी बार आया हूं। और आपके आशीर्वाद से असम में सरकार भी हैट्रिक बनाने वाली है,।

पीएम मोदी का कांग्रेस पर हमला

इस दौरान प्रधानमंत्री ने कांग्रेस और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर भी हमला किया। उन्होंने कहा, ₹पहले सवार्नंद सोनोवाल का नेतृत्व और फिर हिमंता बिस्वा सरमा की अगुवाई में असम ने बीते 10 वर्षों में सेवा और सुशासन का नया दौर देखा है। असम के ये चुनाव विकसित असम से विकसित भारत बनाने का चुनाव है। इस बार भाजपा-एनडीए सरकार की हैट्रिक लगनी तय है और कांग्रेस की पराजय की हैट्रिक भी तय है। कांग्रेस के स्वघोषित राजकुमार की पराजय की संेचुरी लगने वाली है। उन्होंने आगे कहा, ₹असम को प्रकृति ने बहुत कुछ दिया है, असम के पास संसाधनों की कभी कमी नहीं रही है लेकिन कांग्रेस ने सत्ता के लिए असम के समाज को भी बांटा और ब्रह्मपुत्र के दो किनारों को भी कभी जुड़ने नहीं दिया। कांग्रेस ने 60-65 साल में ब्रह्मपुत्र पर सिर्फ 3 ही पुल बनाए। पुलों के अभाव में कितने ही लोगों को हमें खोना पड़ा। कांग्रेस के लिए हमेशा पावर पॉलिटिक्स और अपना परिवार ही फर्स्ट रहा है। दिल्ली में एक परिवार और एक परिवार यहां भी है। कांग्रेस के लिए इन्हीं परिवारों का हित

कमर्शियल गैस की कीमत में 195.50 रुपये की बढ़ोतरी

एजेंसी। नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच सरकारी कंपनियों ने बुधवार को कमर्शियल एलपीजी की कीमत में 195.50 रुपये की बढ़ोतरी की है। यह बढ़ोतरी 19 किलो सिलिंडर पर की गई है। हालांकि, सरकारी कंपनियों की ओर से घरेलू सिलिंडरों के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। घरों में इस्तेमाल होने वाली एलपीजी गैस की दरें पहले के जैसी ही हैं।कमर्शियल सिलिंडरों के दामों में हुई यह वृद्धि सीधे तौर पर पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के कारण वैश्विक तेल कीमतों में आई तेजी का नतीजा है। नई दरें लागू होने के बाद दिल्ली में 19 किलोग्राम के वाणिज्यिक एलपीजी सिलिंडर की कीमत अब 2,078.50 रुपये हो गई है। सरकारी तेल कंपनियों ने इससे पहले एक मार्च को 19 किलोग्राम के सिलिंडर पर 114.5 रुपये की वृद्धि की थी। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर (जो होटल और उद्योगों में इस्तेमाल होते हैं) की कीमतें सरकार तय नहीं करती, बल्कि बाजार के अनुसार तय होती हैं और आमतौर पर हर महीने बदलती हैं। देश में कुल एलपीजी खपत में इनकी हिस्सेदारी 10% से भी कम है।

घरेलू एलपीजी दरों में नहीं हुआ कोई बदलाव

हालांकि, सरकार की ओर से घरेलू एलपीजी की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। 14.2 किलोग्राम के सिलिंडर के लिए पिछली बार सात मार्च को 60 रुपये की वृद्धि की गई थी। दिल्ली में यह सिलेंडर अब 913 रुपये में उपलब्ध है।सरकारी स्वामित्व वाली इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम हर महीने की पहली तारीख को अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क और विनिमय दर के आधार पर विमानन टरबाइन ईंधन और एलपीजी की कीमतों में संशोधन करती हैं। पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान आने से वैश्विक तेल की कीमतें लगभग 50 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं। इसी का असर एलपीजी की कीमतों पर भी देखा जा रहा है।

2 अप्रैल : दिल्ली से बिहार तक तूफान की चेतावनी, 11 राज्यों में बारिश का अलर्ट

एजेंसी। नई दिल्ली

नई दिल्ली। अप्रैल की शुरूआत में 11 राज्यों को भीषण गर्मी से छुटकारा मिल सकता है। मौसम विभाग के अलर्ट के मुताबिक दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड, राजस्थान और मध्य प्रदेश सहित 11 राज्यों में तूफानी बारिश देखने को मिल सकती है। इस दौरान हवा की गति 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच जाएगी। इसलिए भारतीय मौसम विभाग ने इन 11 राज्यों में रहने वाले लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है। आइए आपको बताते हैं कि देशभर में मौसम का हाल कैसा रहने वाला है। गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने की उम्मीद है। इस दौरान अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है, जबकि न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस के करीब रहेगा। अगले कुछ दिनों में गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है, जबकि तापमान आरामदायक स्तर पर बने रहने की उम्मीद है। उत्तर प्रदेश के बड़े हिस्सों में 3 अप्रैल तक बारिश होने की आशंका है। तेज हवाएं चने की संभावना है, जिससे कई इलाकों में हल्की बारिश और बूंदाबांदी हो सकती है। हवा की रफ्तार 30 किलोमीटर से ज्यादा हो सकती है। इससे दोपहिया वाहन चलाने वालों को तेज हवाओं के बीच सड़कों पर गाड़ी चलाना मुश्किल हो सकता है।

चौसा नगर पंचायत में सफाई व्यवस्था पर सवाल, डस्टबीन खरीद में गड़बड़ी के आरोप तेज

- एक साल में ही खराब हुए महंगे डस्टबीन दोबारा खरीद पर उठे पारदर्शिता और जवाबदेही के प्रश्न

केटी न्यूज/चौसा

चौसा नगर पंचायत में स्वच्छता व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। नगर क्षेत्र में सफाई व्यवस्था सुधारने के लिए खरीदे गए डस्टबीन महज एक साल के भीतर ही खराब हो जाने से सरकारी धन के उपयोग और कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों के बीच यह मुद्दा चर्चा का विषय बना हुआ है। जानकारी के मुताबिक, करीब एक वर्ष पहले नगर पंचायत द्वारा स्वच्छता को बेहतर बनाने के उद्देश्य से लगभग 50 जोड़ी बड़े डस्टबीन खरीदे गए थे। प्रत्येक डस्टबीन की कीमत लगभग 8 हजार रुपये बताई जाती है। इन डस्टबीन पर पांच वर्ष की वारंटी होने का दावा भी किया गया था, लेकिन स्थिति यह है कि अधिकांश डस्टबीन एक साल के भीतर ही टूट-फूट कर बेकार हो गए। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई डस्टबीन अब उपयोग के लायक नहीं बचे हैं। कुछ डस्टबीन कबाड़ की दुकानों में पहुंच गए, जबकि कई खुले में फेंके हुए नजर आ रहे हैं। इससे न सिर्फ नगर पंचायत की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं, बल्कि यह भी चर्चा है कि खरीद में गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा गया। इसी बीच नगर पंचायत द्वारा एक बार फिर नए डस्टबीन की खरीद की गई है। इस बार स्टील के लगभग 100 डस्टबीन लगाए जा रहे हैं। इस खरीद पर लाखों से लेकर करोड़ों रुपये तक खर्च होने की बात कही जा रही है। ऐसे में लोगों के मन में यह सवाल उठ रहा है कि जब पहले खरीदे गए डस्टबीन वारंटी अवधि के भीतर ही खराब हो गए, तो संबंधित एजेंसी या जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि पहले चरण में गुणवत्ता का ध्यान रखा गया होता, तो दोबारा इतनी बड़ी राशि खर्च करने की आवश्यकता नहीं पड़ती। लोगों ने इस मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। वहीं, इस मामले में नगर पंचायत की कार्यपालक पदाधिकारी रानी कुमारी ने बताया कि जरूरत के अनुसार नए डस्टबीन खरीदे गए हैं। उन्होंने कहा कि यदि पुराने डस्टबीन कहीं फेंके गए हैं, तो उन्हें भी दोबारा उपयोग में लाने का प्रयास किया जाएगा। फिलहाल, डस्टबीन खरीद और उनकी गुणवत्ता को लेकर उठे सवालों ने नगर पंचायत की पारदर्शिता और जवाबदेही पर एक बार फिर बहस छेड़ दी है।

प्रेस वार्ता में दी गई जानकारी, 27 एजेंसियों के माध्यम से नियमित आपूर्ति; कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई

बक्सर में रसोई गैस की कोई कमी नहीं, अफवाहों से बचें : डीएम साहिला

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी साहिला की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में रसोई गैस आपूर्ति व्यवस्था को लेकर प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले में रसोई गैस की कोई कमी नहीं है और उपभोक्ताओं से अपील की कि वे घबराहट में अनावश्यक बुकिंग करने से बचें तथा अफवाहों पर ध्यान न दें।

जिलाधिकारी ने बताया कि जिले में इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कंपनियों के अंतर्गत कुल 27 गैस एजेंसियां संचालित हैं। इनमें बक्सर अनुमंडल में 12 तथा डुमरांव अनुमंडल में 15 एजेंसियां कार्यरत हैं। 13 से 31 मार्च तक कुल 90,034 गैस सिलेंडरों का वितरण उपभोक्ताओं के बीच किया जा चुका है। वहीं 31 मार्च तक एजेंसियों के पास 4,541 सिलेंडर का भंडार उपलब्ध है।

कंपनीवार स्थिति की जानकारी देते हुए बताया गया कि इंडियन ऑयल के 13 वितरकों के पास 2,527 सिलेंडर उपलब्ध हैं, जबकि 17,027 बुकिंग लंबित हैं और औसत प्रतीक्षा अवधि 4.5 दिन है। भारत पेट्रोलियम के 6 वितरकों के पास 1,610 सिलेंडर उपलब्ध हैं, 3,528 बुकिंग लंबित हैं तथा औसत प्रतीक्षा अवधि 4.02 दिन है। वहीं हिंदुस्तान पेट्रोलियम के 8 वितरकों के पास 404 सिलेंडर उपलब्ध हैं, 3,794 बुकिंग लंबित हैं और औसत प्रतीक्षा अवधि 3.4 दिन बताई गई है।

जिलाधिकारी ने बताया कि जिले में सात स्थानों पर ह्लदीदी की रसोईह्व संचालित है, जिनमें सदर अस्पताल, रजिस्ट्री कार्यालय, समाहरणालय परिसर, पुलिस लाइन, अनुमंडलीय अस्पताल, बीएमपी शिविर एवं अनुसूचित जनजाति आवासीय विद्यालय शामिल हैं। इन केंद्रों को आवश्यकता के अनुसार व्यावसायिक गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। गैस आपूर्ति व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए शहरी क्षेत्रों में घरेलू उपभोक्ताओं को अंतिम सिलेंडर की आपूर्ति के 25 दिनों बाद तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिनों बाद ही नई बुकिंग की अनुमति दी गई है। इससे सभी उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध कराना संभव हो सकेगा।

प्रशासन द्वारा कालाबाजारी और जमाखोरी पर लगातार नजर रखी जा रही है। वरीय अधिकारियों द्वारा नियमित छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 21 मार्च को अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर सदर द्वारा औचक निरीक्षण के दौरान दो रेस्टोरेंट पहवा रेस्टोरेंट और संगम फैमिली रेस्टोरेंट के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई तथा 24 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए गए।

जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए जिला नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। रसोई गैस से संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत या सूचना के लिए लोग दूरभाष संख्या 06183-223333 पर संपर्क कर सकते हैं। 31 मार्च तक कुल 546 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 487 का समय पर निस्तारण कर दिया गया है, जबकि शेष शिकायतों पर कार्रवाई जारी है।

जिलाधिकारी ने यह भी बताया कि स्वेच्छा से वापस लौटने वाले प्रवासी श्रमिकों की निगरानी की जा रही है। श्रम अधीक्षक को ऐसे सभी श्रमिकों का पंजीकरण करने का निर्देश दिया गया है।

उन्होंने चेतावनी दी कि रसोई गैस, पेट्रोलियम पदार्थों या आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति को लेकर भ्रामक या अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सोशल मीडिया पर भी प्रशासन की सतत निगरानी जारी है।

अंत में जिलाधिकारी ने दोहराया कि निर्धारित प्रक्रिया के तहत घर-घर आपूर्ति के माध्यम से ही गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है और जिले में किसी प्रकार का संकट नहीं है।

एक नजर

डुमरांव के नये प्रभारी अंचलाधिकारी बने रमेश सिंह, बीडीओ से ग्रहण किया पदभार

सीओ के हड़ताल पर चले जाने से खाली था पद, अबतक बीडीओ संभाल रहे थे कार्यभार, सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी है प्रभारी सीओ

डुमरांव। डुमरांव अंचल में लंबे समय से चल रही प्रशासनिक सुस्ती पर अब ब्रेक लगने की उम्मीद जगी है। बुधवार को सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी रमेश सिंह ने प्रभारी अंचलाधिकारी (सीओ) के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने बीडीओ सह प्रभारी सीओ संदीप कुमार पांडेय से औपचारिक रूप से जिम्मेदारी संभाली। गौरतलब है कि पिछले महीने से राजस्वकर्मियों के साथ-साथ सीओ भी हड़ताल पर चले गए थे, जिसके कारण कई अंचलों में कामकाज प्रभावित हो गया था। डुमरांव में भी यही स्थिति बनी हुई थी और यहां का अतिरिक्त प्रभार बीडीओ को सौंपा गया था। लेकिन दोहरी जिम्मेदारी के कारण प्रखंड और अंचल, दोनों कार्यालयों के कार्यों पर असर साफ देखा जा रहा था। ऐसे में प्रशासन ने स्थिति को गंभीरता से लेते हुए वैकल्पिक व्यवस्था लागू की और अब रमेश सिंह को प्रभारी सीओ बनाकर यहां की कमान सौंप दी गई है। उनके पदभार संभालते ही अंचल कार्यालय में हलचल तेज हो गई है और लोगों में भी उम्मीद की नई किरण जगी है। पदभार ग्रहण करने के बाद रमेश सिंह ने अंचल के सभी कर्मियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने सभी से परिचय प्राप्त किया और साफ शब्दों में निर्देश दिया कि अंचल से जुड़े सभी कार्य समय पर और पारदर्शी तरीके से पूरे किए जाएं। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि लंबित मामलों के निपटारे में तेजी लाई जाएगी। स्थानीय लोगों और कर्मचारियों को उम्मीद है कि नए प्रभारी सीओ के आने से जमीन संबंधी विवाद, दाखिल-खारिज और अन्य राजस्व मामलों का निष्पादन अब तेजी से होगा। फिलहाल, डुमरांव अंचल में प्रशासनिक व्यवस्था को पटरी पर लाने की जिम्मेदारी रमेश सिंह के कंधों पर है और उनकी शुरूआत ने उम्मीदों को मजबूती दी है।

बक्सर स्टेशन पर सक्रिय उचक्कों का गैंग बेनकाब, आरपीएफ-जीआरपी की त्वरित कार्रवाई में चार गिरफ्तार

बक्सर। रेलवे यात्रियों को निशाना बनाकर सक्रिय उचक्कों के एक गैंग का बक्सर स्टेशन क्षेत्र में पदार्फाश हुआ है। आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीम ने ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग मामलों में कुल चार अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों के पास से चोरी का सामान भी बरामद हुआ है, जिससे कई घटनाओं के खुलासे की उम्मीद जताई जा रही है। आरपीएफ इंस्पेक्टर कुंदन कुमार के अनुसार, पहली कार्रवाई बक्सर स्टेशन के पूर्वी यार्ड में की गई, जहां एक यात्री का सामान चोरी कर भाग रहे दो उचक्कों को रंगे हाथ दबोच लिया गया। इस दौरान जीआरपी प्रभारी विकास कुमार समेत संयुक्त टीम के जवान मौके पर मौजूद रहे। पकड़े गए आरोपियों की पहचान ऊधम सिंह नगर (उत्तराखंड) निवासी मंगल (28) और भोजपुर के कोईलवर निवासी राम चंद्र माली (30) के रूप में हुई है। इनके पास से महिला का पर्स, एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन और दो ब्लेड बरामद किए गए। वहीं दूसरी कार्रवाई में ट्रेन संख्या 01144 में हुई चोरी की वारदात का खुलासा हुआ। दानापुर कंट्रोल से सूचना मिलने के बाद टीम ने बक्सर-आरा रेलखंड पर चेन पुलिंग कर भागने की कोशिश कर रहे दो अन्य अपराधियों को धर दबोचा। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पटना साहिब निवासी राज कुमार (21) और दिल्ली के सीलमपुर निवासी फिरदौस आलम (40) के रूप में हुई है। इनके पास से एक मोबाइल फोन, 6,490 रुपये नकद और एक ब्लेड बरामद किया गया। पूछताछ में खुलासा हुआ है कि यह गिरोह चलती ट्रेनों में यात्रियों को निशाना बनाकर वारदात को अंजाम देता था और मौका मिलते ही चेन पुलिंग कर फरार हो जाता था। फिलहाल सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है, जबकि पुलिस गैंग के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है।

चौसा थर्मल पॉवर प्लांट में ठेकेदारी विवाद में बवाल दोनों पक्ष लगा रहे हवाई फायरिंग का आरोप

बक्सर। चौसा स्थित बक्सर थर्मल पॉवर प्लांट में मिट्टी गिराने के ठेकेदारी विवाद में मंगलवार को ठेकेदारों के दो गुटों के बीच हिंसक झड़प हो गया। आरोप है कि इस दौरान बनारपुर गांव में दहशत फैलाने के लिए हवाई फायरिंग भी की गई। इस मामले में दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर रंगदारी मांगने, जान से मारने की कोशिश, छिनतई तथा हवाई फायरिंग जैसे संगीन आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराया है। एक पक्ष के आनंद राय ने दूसरे पक्ष के मनोरंजन पांडेय समेत आधा दर्जन लोगों को नामजद करते हु आरोप लगाया है कि प्लांट निर्माण कार्य में मिट्टी गिरा रही उनकी हाइवा को रोक लिया गया। जब मैं वहां पहुंचा तो ये लोग मेरे तथा मेरे पुत्र के साथ बदसलूकी किए तथा एक लाख रूपए रंगदारी की मांग करने लगे तथा पैसा नहीं देने पर जान मारने की धमकी दिए। इस दौरान इनलोगों ने मेरे गले से सोने का चेन तथा सोने का ब्रासलेट छिन लिए। वहीं, मनोरंजन पांडेय ने अपनी तहरीर में जिक्र किया है कि उन्हें गतिशक्ति प्रोजेक्ट में 24 करोड़ रूपए के ठेकेदारी का काम मिला था। काम बड़ा होने के कारण मैंने चार लोगों को साझीदार बनाया लेकिन पिछले एक साल से दो लोग न तो मुझे पैसा दे रहे थे और न ही हिसाब कर रहे थे।प्लांट के अधिकारियों से इसकी पूर्व में शिकायत भी की गई थी। मनोरंजन का कहना है कि पैसा मांगने आनंद राय तथा उनके पक्ष के लोग अपना अपराधिक इतिहास बताने लगे तथा जान मारने की नियत से फायरिंग किए। इस दौरान मै किसी तरह अपने वाहन से कूदकर जान बचाया। मनोरंजन ने आरोप लगाया कि है इनलोगों ने मेरा 60 हजार रूपया भी छिन लिया है। दोनों पक्षों से मिले आवेदन पर एफआईआर दर्ज कर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। इस संबंध में बक्सर एसपी शुभम आर्य ने बताया कि मिट्टी गिराने को लेकर विवाद हुआ है। मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। एसपी ने कहा कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

तेज रफ्तार का कहर : सब्जी मंडी के पास हादसे में तीन किशोर घायल

- अज्ञात वाहन चालक फरार, एक की हालत गंभीर होने पर बक्सर रेफर

केटी न्यूज/राजपुर

थाना क्षेत्र में सड़क सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़ा हो गया है। चौसाझ्रकोचस मुख्य पथ पर राजपुर सब्जी मंडी के समीप बुधवार को तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला, जहां एक अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार तीन किशोर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई, जबकि वाहन चालक मौके से फरार हो गया। मिली जानकारी के अनुसार हरपुर पंचायत के पिपराढ़ गांव निवासी अनमोल कुमार, अनूप कुमार और शैलेश कुमार एक ही बाइक पर सवार होकर राजपुर आए थे। काम खत्म कर जैसे ही वे सब्जी मंडी के पास से घर लौटने की तैयारी कर रहे थे, तभी विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार अज्ञात गाड़ी ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों युवक बाइक से उछलकर सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए तीनों घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार शुरू किया। डॉक्टरों के अनुसार अनमोल कुमार की स्थिति गंभीर पाई गई, जिसे बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल, बक्सर रेफर कर दिया गया। वहीं अन्य दो किशोरों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के बाद वाहन चालक बिना रुके मौके से फरार हो गया, जिससे लोगों में आक्रोश भी देखा गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस सड़क पर लगातार तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के कारण दुर्घटनाएं बढ़ती जा रही हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। घटना के बाद पुलिस को सूचना दे दी गई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और फरार वाहन की पहचान करने का प्रयास कर रही

मेधा की उड़ान : 9 बेटियों का सम्मान समारोह, गांव में गूंजा तालियों का उत्साह

केटी न्यूज/नावानगर

प्रखंड के मिडिल स्कूल सलसला में बुधवार को एक प्रेरणादायक माहौल देखने को मिला, जब मेधा छात्रवृत्ति के लिए चयनित 9 छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर तालियों की गड़गड़ाहट और खुशी के माहौल से गूंज उठा। विद्यालय परिवार ने छात्राओं को फूलमाला पहनाकर तथा कॉपी-कलम भेंट कर उनका हौसला बढ़ाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सोनवर्षा पूर्वी के बीडीसी प्रतिनिधि सह पूर्व उपप्रमुख दिनेश सिंह ने छात्राओं को सम्मानित करते हुए कहा कि मेधा छात्रवृत्ति जैसी योजनाएं ग्रामीण प्रतिभाओं के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे अवसर छात्राओं को न केवल आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं, बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने सभी छात्राओं से मेहनत, अनुशासन और लगन के साथ अपनी पढ़ाई जारी रखने का आह्वान किया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुनील कुमार सिंह ने भी इस उपलब्धि पर छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने बताया कि चयनित छात्राएं अब प्रखंड के किसी भी हाई स्कूल में कक्षा 9 में नामांकन लेकर अपनी आगे की शिक्षा जारी रख सकती हैं। साथ ही उन्होंने आश्वस्त किया कि विद्यालय परिवार हमेशा छात्राओं के मार्गदर्शन और सहयोग के लिए तत्पर रहेगा। इस कार्यक्रम ने न केवल छात्राओं को सम्मानित किया, बल्कि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का संदेश दिया। मौके पर मौजूद शिक्षकों और अभिभावकों ने छात्राओं की इस उपलब्धि पर गर्व जताया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह में शिक्षक उपेंद्र ठाकुर, सरिता कुमारी, सीमा रानी, राजेश कुमार पाण्डेय, मित्रसेन यादव, संतोष कुमार गुप्ता एवं मो. असलम परवेज अंसारी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

32 घंटे बाद मिला गंगा के भागड़ में लापता हुई 10 वर्षीय नेहा का शव, स्वजनों के क्रंदन-चित्कार से गमगीन हुआ माहौल

- **एनडीआरएफ ने बुधवार शाम चार बजे बरामद किया शव, गांव में पसरा मातम, पीपा पुल की मांग तेज**
- **मंगलवार की सुबह आठ बजे भागड़ में पलट गई थी नाव, हादसे के बाद से लापता किशोरी की हो रही थी तलाश**

केटी न्यूज/सिमरी

गंगा के भागड़ में नाव पलटने के दर्दनाक हादसे के 32 घंटे बाद आखिरकार लापता 10 वर्षीय किशोरी नेहा कुमारी का शव बरामद कर लिया गया। बुधवार की शाम करीब चार बजे एनडीआरएफ की टीम ने अथक प्रयास के बाद पानी से शव को बाहर निकाला। जैसे ही मासूम का शव किनारे लाया गया, वहां मौजूद स्वजनों के क्रंदन-चीत्कार से पूरा माहौल गमगीन हो उठा।

नेहा की पहचान नवरंग राय के डेरा गांव निवासी लालबाबू राम की इकलौती पुत्री के रूप में हुई है। बेटी का शव देखते ही पिता लालबाबू राम बेसुध हो गए, जबकि मां और अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। गांव की महिलाएं भी इस हृदयविदारक दृश्य को देख अपने आंसू नहीं रोक सकीं।

बताया जाता है कि मंगलवार की सुबह खेतों में फसल कटनी के लिए जा रही महिलाओं से भरी नाव गंगा के भागड़ में पलट गई थी। इस हादसे में एक दर्जन महिलाएं किसी तरह तैरकर बाहर निकल आईं, लेकिन नेहा गहरे पानी में समा गई थी। घटना के बाद से ही स्थानीय गोताखोरों के साथ एनडीआरएफ की टीम लगातार तलाश में जुटी थी।

गांव में पसरा मातमी सन्नाटा, हर आंख नम

नेहा की मौत की खबर से पूरे नवरंग राय के डेरा गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। जिस घर में कभी बच्ची की किलकारियां गूंजती थीं, वहां अब सिर्फ चीख-पुकार और सिसकियां सुनाई दे रही हैं। ग्रामीणों के अनुसार नेहा अपने माता-पिता की इकलौती संतान थी, जिससे इस हादसे ने परिवार की पूरी दुनिया उजाड़ दी।

पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया शव

घटना की सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की प्रक्रिया पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रशासनिक अधिकारियों ने भी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।

मजबूरी में जोखिम, पेट पालने की कीमत जान से...

इस घटना ने एक बार फिर दियारा क्षेत्र की उस सच्चाई को उजागर कर दिया है, जहां किसान और खेतिहर मजदूर रोजी-रोटी के लिए अपनी जान जोखिम में डालने को मजबूर हैं। गंगा और उसकी सहायक धाराओं को पार किए बिना खेती-बाड़ी संभव नहीं, और सुरक्षित साधनों के अभाव में नाव ही एकमात्र सहारा बन जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि हर साल ऐसे हादसे होते हैं, लेकिन स्थायी समाधान की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं होती। उन्होंने प्रशासन से दियारा क्षेत्र में स्थायी रूप से पीपा पुल निर्माण की मांग की है, ताकि लोगों को इस तरह की जोखिम भरी यात्राओं से मुक्ति मिल सके। नेहा की मौत ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर कब तक गरीब मजदूर अपनी जिंदगी दांव पर लगाकर दो जून की रोटी कमाने को मजबूर रहेंगे।

प्रधान सचिव की समीक्षा बैठक में निर्देश–स्टॉक की रोजाना जांच, अफवाह फैलाने वालों पर करें कड़ी कार्रवाई

बक्सर में एलपीजी आपूर्ति पर सख्त निगरानी, कालाबाजारी पर होगी त्वरित कार्रवाई : प्रधान सचिव मंयक वरवड़े

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में एलपीजी आपूर्ति, आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता और प्रवासी श्रमिकों के हितों की सुरक्षा को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। इसी कड़ी में बुधवार को समाहरणालय सभाकक्ष में प्रधान सचिव, योजना एवं विकास विभाग बिहार सह प्रभारी सचिव बक्सर मंयक वरवडे. की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आपूर्ति व्यवस्था को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए।

प्रधान सचिव ने स्पष्ट रूप से कहा कि सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित रूप से भ्रमण करते हुए गैस एजेंसियों के स्टॉक की जांच सुनिश्चित करें। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि कहीं भी कालाबाजारी या जमाखोरी की सूचना मिलती है तो संबंधित के खिलाफ तुरंत सख्त कार्रवाई की जाए। प्रशासन की प्राथमिकता आम उपभोक्ताओं तक निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना है।

सोशल मीडिया पर फैल रही भ्रामक खबरों को लेकर भी प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। प्रधान सचिव ने निर्देश दिया कि सोशल मीडिया की सतत निगरानी की जाए और गैस सिलेंडर से संबंधित किसी भी तरह की अफवाह सामने आने पर उसका तत्काल खंडन किया जाए। उन्होंने कहा कि अफवाह फैलाने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

बैठक में जिलाधिकारी साहिला ने जिले की वर्तमान स्थिति से अवगत कराते हुए बताया कि इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम के तहत जिले में कुल 27 गैस एजेंसियां कार्यरत हैं। इनमें बक्सर अनुमंडल में 12 और डुमरांव अनुमंडल में 15 एजेंसियां शामिल हैं। उन्होंने जानकारी दी कि 13 से 31 मार्च के बीच कुल 90,034 गैस सिलेंडर उपभोक्ताओं के बीच वितरित किए गए, जबकि 31 मार्च तक 4,541 सिलेंडर का स्टॉक उपलब्ध है।

जिलाधिकारी ने यह भी बताया कि प्रशासन लगातार औचक निरीक्षण कर रहा है। 21 मार्च को एसडीओ बक्सर सदर द्वारा जांच के दौरान दो रेस्टोरेंट पहवा रेस्टोरेंट और संगम फैमिली रेस्टोरेंट पर घरेलू गैस सिलेंडर के व्यावसायिक उपयोग के मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई तथा 24 सिलेंडर जब्त किए गए। यह कार्रवाई प्रशासन की सख्ती का स्पष्ट संकेत है। सूचना प्रबंधन को लेकर भी प्रशासन सक्रिय है। प्रतिदिन अपराह्न 3 बजे जिला पदाधिकारी, अपर समाहर्ता, जिला आपूर्ति पदाधिकारी और जनसंपर्क पदाधिकारी द्वारा प्रेस ब्रीफिंग की जा रही है, जिसमें गैस स्टॉक की स्थिति और फेक न्यूज का खंडन किया जाता है। इससे पारदर्शिता बनी हुई है और लोगों को सही जानकारी मिल रही है। रसोई गैस से संबंधित शिकायतों के समाधान के लिए 16 मार्च से जिला आपातकालीन संचालन केंद्र में 24x7 नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। आम लोग अपनी समस्याएं यहां दर्ज करा सकते हैं।

इसके अलावा जिले में सात ह्लदीदी की रसोईह्व केंद्र भी संचालित किए जा रहे हैं, जहां जरूरत के अनुसार व्यावसायिक गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इन केंद्रों के संचालन में किसी तरह की बाधा नहीं है। प्रवासी श्रमिकों को लेकर भी प्रशासन सजग है। स्वेच्छा से लौटने वाले श्रमिकों की मॉनिटरिंग की जा रही है और श्रम अधीक्षक को सभी श्रमिकों का पंजीकरण करने का निर्देश दिया गया है।

बैठक के अंत में स्पष्ट संदेश दिया गया कि एलपीजी, पेट्रोलियम पदार्थों और आवश्यक वस्तुओं को लेकर किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी। जिला प्रशासन हर स्तर पर सतर्क है और आम जनता को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी।

एक नजर

10 दिवसीय सामान्य ज्ञान व प्रतिभा सम्मान समारोह का शुभारंभ आज से

केसठ। मां शांति देवी प्रधानाध्यापिका स्मृति संस्थान, केसठ के तत्वावधान में 10 दिवसीय सामान्य ज्ञान सह प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन गुरुवार से शुरू हो रहा है। यह आयोजन प्रखंड के कन्या प्राथमिक विद्यालय की पूर्व प्रधानाध्यापिका स्व. शांति देवी की 9वीं पुण्यतिथि के अवसर पर किया जा रहा है।संस्थान के सदस्यों ने जानकारी देते हुए बताया कि इस 10 दिवसीय कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रकार की खेलकूद प्रतियोगिताएं एवं सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित की जाएंगी। कार्यक्रम के अंतिम दिन 11 अप्रैल को प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों के 10वीं एवं 12वीं कक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर बक्सर लोकसभा क्षेत्र के सांसद सुधाकर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। आयोजन के प्रथम दिन गुरुवार को उच्च विद्यालय केसठ के प्रांगण में बालक एवं बालिका वर्ग के लिए दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जबकि अन्य कार्यक्रम कन्या प्राथमिक विद्यालय, बस स्टैंड केसठ के प्रांगण में संपन्न होंगे।संस्थान के सदस्य एवं स्व. शांति देवी के बड़े पुत्र, डुमरांव विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी सुनील कुमार यादव उर्फ पप्पू यादव ने बताया कि कार्यक्रम को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

अंचल का प्रभार अब मोहम्मद फिरोज अनवर को सौंपा गया

केसठ। प्रखंड के अंचलाधिकारी के हड़ताल पर चले जाने के बाद अंचल का प्रभार अब राजस्व अधिकारी सह कानूनगो मोहम्मद फिरोज अनवर को सौंप दिया गया है। विभागीय निर्देश के आलोक में प्रखंड विकास पदाधिकारी विजय कुमार सौरभ ने बुधवार को उन्हें प्रभारी अंचलाधिकारी का कार्यभार सौंपा।बताया जाता है कि अंचलाधिकारी के हड़ताल पर रहने के कारण अंचल के विभिन्न राजस्व एवं प्रशासनिक कार्य प्रभावित हो रहे थे। ऐसे में पहले वैकल्पिक व्यवस्था के तहत प्रखंड विकास पदाधिकारी को यह जिम्मेदारी दी गई थी।अब नए निर्देश के अनुसार प्रभार मोहम्मद फिरोज अनवर को दिए जाने से कार्यों में तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है। स्थानीय लोगों ने उम्मीद व्यक्त की है कि नए प्रभारी अंचलाधिकारी के कार्यभार संभालने से अंचल से जुड़े राजस्व एवं अन्य लंबित कार्यों का निष्पादन शीघ्र होगा तथा आमजन को सुविधा मिलेगी।

अच्छे कर्मों का फल है मानव जीवन, भक्ति में डूबा दंगौली गांव का महोत्सव

केसठ। प्रखंड के दंगौली गांव स्थित श्रीराम जानकी मंदिर का 73वां तीन दिवसीय वार्षिकोत्सव बुधवार को श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हो गया। वैदिक मंत्रोच्चारण, हवन-पूजन और विशाल भंडारे के साथ आयोजित इस कार्यक्रम ने पूरे क्षेत्र को आध्यात्मिक रंग में रंग दिया। मंदिर के व्यवस्थापक राम किंकर सिंह उर्फ भिखारी सिंह के नेतृत्व में आयोजन भव्य और सुव्यवस्थित रहा। समापन दिवस पर कथावाचक सुखेन त्रिपाठी जी महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि मनुष्य जीवन अत्यंत दुर्लभ है, जो अनेक जन्मों के पुण्य कर्मों के फलस्वरूप प्राप्त होता है। उन्होंने जीवन में मयार्दा, सदाचार और ईश्वर स्मरण के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि गृहस्थ जीवन जीते हुए भी व्यक्ति आध्यात्मिक ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकता है। तीन दिनों तक चले इस धार्मिक अनुष्ठान में भजन-कीर्तन, पूजनोत्सव और आरती ने माहौल को भक्तिमय बनाए रखा। अंतिम दिन सैकड़ों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी, जिससे मंदिर परिसर पूरी तरह आस्था के सागर में डूबा नजर आया। भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के छठिहार के अवसर पर संतों और कथा वाचकों द्वारा प्रस्तुत सोहर गायन ने लोगों को भावविभोर कर दिया।

शिक्षकों के मंथन से तय हुई नई शैक्षणिक दिशा

- **तीन दिवसीय कार्यशाला में राष्ट्रीय शिक्षा नीति, स्वच्छता और संस्कार आधारित शिक्षा पर बनी रणनीति**

केटी न्यूज/बक्सर

शहर के नया बाजार स्थित सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में आयोजित तीन दिवसीय आचार्य कार्यशाला का समापन बुधवार को विचारमंथन और नई शैक्षणिक योजनाओं के निर्धारण के साथ हुआ। कार्यशाला का उद्देश्य आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 को अधिक प्रभावी, मूल्यपरक और प्रगतिशील बनाना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ विभाग प्रमुख लाल बाबू प्रसाद यादव, जगदीश पांडेय और राकेश दूबे द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन एवं मां शारदे के समक्ष पुष्प अर्पित कर किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला के उद्देश्य और रूपरेखा पर प्रकाश डाला।

तीनों दिनों तक चले सत्रों में शिक्षकों ने नई शिक्षा नीति के अनुरूप शिक्षण पद्धति, विद्यार्थियों के समग्र विकास, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और संस्कार आधारित शिक्षा पर विस्तार से चर्चा की। शिक्षकों ने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रहकर बच्चों के व्यक्तित्व विकास और नैतिक मूल्यों को भी सशक्त बनाए।

कार्यशाला के दौरान आगामी सत्र के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई, जिसमें संस्कृति ज्ञान परीक्षा, आधारभूत विषयों की मजबूती, अभिभावक गोष्ठी और अभिभावक सम्मेलन जैसे कार्यक्रमों को प्राथमिकता देने का निर्णय लिया गया। शिक्षकों ने यह भी तय किया कि विद्यालय और अभिभावकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर छात्रों के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित किया जाएगा।

मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में शिक्षकों को सकारात्मक सोच अपनाने और विद्यार्थियों में सत्यनिष्ठा, सहिष्णुता, नेतृत्व क्षमता, देशभक्ति तथा शारीरिक व मानसिक विकास जैसे गुणों को विकसित करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि शिक्षक ही समाज के निर्माण की आधारशिला हैं, इसलिए उनका दृष्टिकोण व्यापक और प्रेरणादायक होना चाहिए। र्यक्रम के समापन अवसर पर उपेंद्र सिंह, देवेंद्र वर्मा, अभय पांडेय, संजीव सिन्हा, रोहिणी कुमारी, द्विजेश सिंह, पूनम सिन्हा, सुशील कुमार, श्वेती सिन्हा सहित कई शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यशाला को शिक्षकों के लिए नई ऊर्जा और दिशा देने वाला मंच माना गया।

नए वित्तीय वर्ष में पुरानी रसीदों से वसूली चौसा नगर पंचायत पर उठे सवाल

- **सैरात बंदोबस्ती लंबित, विभागीय निगरानी में हो रही उगाही पर पारदर्शिता को लेकर बढ़ा असंतोष**

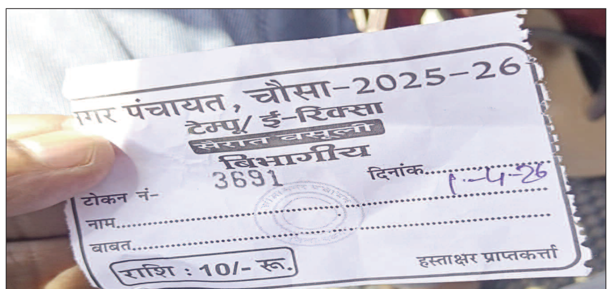

केटी न्यूज/चौसा

नगर पंचायत चौसा में सैरात वसूली को लेकर नए वित्तीय वर्ष की शुरूआत के साथ ही विवाद गहराता नजर आ रहा है। स्थानीय व्यवसायियों और वाहन चालकों ने आरोप लगाया है कि विभागीय स्तर पर नियमों की अनदेखी करते हुए पुराने सत्र की रसीदों के आधार पर वसूली की जा रही है, जिससे पूरे प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो गए हैं।

बताया जाता है कि नगर पंचायत क्षेत्र में अभी तक सैरात की बंदोबस्ती नहीं हो सकी है। ऐसे में वसूली की जिम्मेदारी फिलहाल विभाग के पास है, जो अपने स्तर से कर्मियों को नियुक्त कर उगाही करवा रहा है। हालांकि, 31 मार्च को वित्तीय वर्ष 2025-26 समाप्त हो चुका है और 1 अप्रैल से नए वित्तीय वर्ष 2026-27 की शुरूआत हो गई है, लेकिन इसके बावजूद कई स्थानों पर पुराने सत्र की पर्चियों का इस्तेमाल जारी है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बिना नए सत्र की वैध रसीद के वसूली करना नियमों के खिलाफ है। इससे यह भी स्पष्ट नहीं हो पा रहा है कि वसूली गई राशि किस खाते में जमा हो रही है और उसका लेखा-जोखा कैसे रखा जा रहा है। इस स्थिति ने लोगों में असमंजस के साथ-साथ आक्रोश भी पैदा कर दिया है।

व्यवसायियों का आरोप है कि यदि वसूली की प्रक्रिया पारदर्शी नहीं होगी, तो इससे राजस्व के दुरुपयोग की आशंका बढ़ेगी। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द सैरात की विधिवत बंदोबस्ती कराई जाए और फिलहाल की जा रही वसूली पर स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाएं।

इस संबंध में नगर पंचायत की कार्यपालक पदाधिकारी रानी कुमारी ने कहा कि सभी वसूली कर्मियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि केवल नए सत्र की रसीदों पर ही वसूली की जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पुराने पर्चियों के उपयोग की अनुमति नहीं है। इसके बावजूद यदि कहीं ऐसी शिकायत मिलती है, तो उसे गंभीरता से लेते हुए जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

फिलहाल, इस पूरे मामले ने नगर पंचायत की कार्यप्रणाली और निगरानी व्यवस्था पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं, जिनका समाधान प्रशासन के लिए चुनौती बनता जा रहा है।

बेटियों ने बढ़ाया बक्सर का मान, टॉपर्स और स्वयंसेवकों का भव्य सम्मान आयोजित

- **मैट्रिक-इंटर के मेधावी छात्र-छात्राओं, मैराथन विजेताओं व गंगा स्वच्छता अभियान में योगदान देने वालों को डीएम ने किया सम्मानित**

केटी न्यूज/बक्सर

जिला मुख्यालय स्थित समाहरणालय सभाकक्ष बुधवार को मेधा, मेहनत और उपलब्धियों के सम्मान का साक्षी बना, जब शिक्षा विभाग, कला एवं संस्कृति विभाग तथा जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी साहिला ने मैट्रिक एवं इंटर परीक्षा के टॉपर्स, बिहार दिवस के अवसर पर आयोजित मैराथन के विजेताओं और गंगा स्वच्छता पखवाड़ा में उत्कृष्ट योगदान देने वाले स्वयंसेवकों को सम्मानित किया।

समारोह को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि ह्लबेटियों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि अवसर मिलने पर वे हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं।ह्व उन्होंने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि सफलता का मूल मंत्र कठिन परिश्रम, अनुशासन और जीवन मूल्यों को अपनाना है।

कार्यक्रम में मेधावी छात्र-छात्राओं ने अपने लक्ष्य साझा किए और जिलाधिकारी से मार्गदर्शन प्राप्त किया। दूर-दराज के क्षेत्रों से आए विद्यार्थियों की उपलब्धियों पर विशेष प्रसन्नता व्यक्त करते हुए डीएम ने कहा कि यह पूरे जिले के लिए गर्व की बात है। इस दौरान मैट्रिक परीक्षा 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों में अनुपा कुमारी ने 97.6 प्रतिशत अंक के साथ प्रथम स्थान हासिल कर जिले में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। वहीं इशा कुमारी द्वितीय और लक्ष्मी कुमारी तथा मुस्कान कुमारी संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहीं। टॉप-10 सूची में कई छात्राओं की उल्लेखनीय उपस्थिति ने ह्लबेटी पढ़ाओह्व अभियान को नई मजबूती दी। इंटरमीडिएट परीक्षा में भी छात्र-छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन किया। कला संकाय में संगम कुमारी प्रथम रहीं, जबकि वाणिज्य संकाय में स्नेहा कुमारी और विज्ञान संकाय में अभिषेक मौर्या ने शीर्ष स्थान प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया।

सम्मान समारोह के दौरान सभी मेधावी विद्यार्थियों को स्मार्ट वॉच, मोमेंटो, प्रशस्ति पत्र और शॉल देकर सम्मानित किया गया। इससे छात्रों में उत्साह और आत्मविश्वास का माहौल देखा गया। बिहार दिवस के अवसर पर आयोजित ह्लरन फॉर फिटह्व मैराथन प्रतियोगिता के विजेताओं को भी मंच पर सम्मानित किया गया। बालक वर्ग में सचिन कुमार ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि बालिका वर्ग में चाँदनी कुमारी ने बाजी मारी। विजेताओं को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही गंगा स्वच्छता पखवाड़ा (16 से 31 मार्च) के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाली संस्थाओं को भी सम्मान मिला। रूद्रा गुरुकुल, एनसीसी 30 बटालियन, वन प्रक्षेत्र बक्सर, हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड और खेल विभाग बक्सर को उनके योगदान के लिए सराहा गया। इन संस्थाओं ने स्वच्छता रैली, पौध रोपण, नुक्कड़ नाटक और जागरूकता अभियानों के माध्यम से गंगा स्वच्छता का संदेश जन-जन तक पहुंचाया। अंत में जिला प्रशासन ने सभी प्रतिभागियों, संस्थाओं और नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे प्रयासों से समाज में सकारात्मक बदलाव संभव है। समारोह ने यह संदेश दिया कि मेहनत और समर्पण से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

ई-शिक्षाकोष से खुली पोल 400 शिक्षकों पर गिरी गाज

केटी न्यूज/नावानगर

प्रखंड में वार्षिक परीक्षा व उत्तर पुस्तिका मूल्यांकन के दौरान शिक्षकों की उपस्थिति को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। ई-शिक्षाकोष पोर्टल की जांच में गड़बड़ी सामने आने के बाद बीईओ श्याम बिहारी प्रसाद ने करीब 400 शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। सभी संबंधित शिक्षकों को पत्र निर्गत होने की तिथि से 24 घंटे के भीतर भौतिक रूप से उपस्थित होकर स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया गया है। जांच में पाया गया कि 16 से 25 मार्च के बीच परीक्षा एवं मूल्यांकन कार्य के लिए प्रतिनियुक्त कई शिक्षक केंद्रों पर उपस्थित नहीं थे, फिर भी उन्होंने अपनी हाजिरी दर्ज कर ली। कुछ मामलों में शिक्षकों ने घर से ही उपस्थिति बना ली, जबकि कई ने ह्यऑफिस वर्कह्न दर्शाकर फर्जी उपस्थिति दर्ज की। बीईओ ने स्पष्ट किया कि प्राथमिक और मध्य विद्यालयों में ह्यऑफिस वर्कह्न का प्रावधान नहीं है, यह केवल उच्च विद्यालयों में लागू होता है। बीईओ ने इस कृत्य को अनुशासनहीनता, वरीय अधिकारियों के आदेश की अवहेलना और कार्य के प्रति लापरवाही बताया है। उन्होंने चेतावनी दी कि संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर संबंधित शिक्षकों के खिलाफ निलंबन, बर्खास्तगी तथा वेतन स्थायी रूप से रोकने जैसी कठोर कार्रवाई की जा सकती है। बीईओ ने यह भी कहा कि अब ई-शिक्षाकोष के माध्यम से शिक्षकों की उपस्थिति की लगातार मॉनिटरिंग की जाएगी, ताकि भविष्य में इस तरह की अनियमितताओं पर पूरी तरह अंकुश लगाया जा सके।

उपलब्धि : वार्षिक परीक्षा में मॉडर्न किड्स प्ले स्कूल के मेधावी छात्र हुए सम्मानित

केटी न्यूज/रोहतास

बुधवार मॉडर्न किड्स प्ले स्कूल ए.एस कॉलेज रोड बिक्रमगंज में वार्षिक परीक्षा परिणाम गरिमामय कार्यक्रम साथ घोषित किया गया। परिणाम घोषणा समारोह विद्यालय परिसर में उत्सव जैसा प्रतीत हो रहा था। विद्यार्थियों के चेहरों पर आत्मविश्वास, अभिभावकों के मन में गर्व और शिक्षकों की आंखों में संतोष स्पष्ट झलक रहा था। पूरे विद्यालय में सकारात्मक ऊर्जा और उपलब्धि का उल्लास देखने को

मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ औपचारिक रूप से किया गया, जिसके पश्चात उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को मंच पर आमंत्रित कर सम्मानित किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या अंजली सिन्हा एवं निदेशक सीएम चौधरी ने मेधावी छात्रों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि सफलता केवल अंकों तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह निरंतर मेहनत, अनुशासन, दृढ़ संकल्प और सकारात्मक सोच का परिणाम होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में उच्च लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयासरत रहने, चुनौतियों का सामना साहसपूर्वक करने तथा नैतिक मूल्यों के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। समारोह की विशेष आकर्षण वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान रहा। विद्यालय द्वारा ऐसे विद्यार्थियों को विशेष पुरस्कार प्रदान कर उनके प्रदर्शन की सराहना की गई। इस अवसर पर वार्षिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। विद्यालय प्रबंधन ने उनकी उपलब्धि को समर्पण, अनुशासन और आत्मविश्वास का परिणाम बताते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रबंधन ने सभी विद्यार्थियों की मेहनत की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मौके पर शिक्षिका सुरभी तिवारी, डिम्पल गुप्ता,निभा मौर्या, आकांक्षा श्रीवास्तव, राजलक्ष्मी, शिवानी पटेल सहित सभी शिक्षक-शिक्षिका, छात्र-छात्रा और काफी संख्या में अभिभावक उपस्थित थे।

बिपार्ड का मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लिया जायजा स्किल पार्क की व्यवस्थाओं को सुधारने का दिया निर्देश

एजेंसी। पटना

बिहार के युवाओं को हुनरमंद बनाने और उन्हें वैश्विक स्तर पर रोजगार के अवसर प्रदान करने की दिशा में राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है. इसी कड़ी में आज, 1 अप्रैल 2026 को मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने पटना स्थित बिपार्ड स्किल पार्क का दौरा किया. इस दौरे का मुख्य उद्देश्य युवाओं को दिए जा रहे आधुनिक प्रशिक्षण और वहां उपलब्ध सुविधाओं की जमीनी हकीकत को जानना था.अपने भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री ने स्किल पार्क में चल रहे अलग-अलग ट्रेनिंग प्रोग्राम्स का विस्तार से अवलोकन किया. उन्होंने न केवल कक्षाओं का दौरा किया, बल्कि वहां रह रहे प्रशिक्षुओं के लिए उपलब्ध कराई गई आवासीय व्यवस्था और मेस (भोजन) की सुविधाओं का भी निरीक्षण किया. मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि सीखने वाले युवाओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और उन्हें एक बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिले.बिपार्ड स्किल पार्क केवल सरकारी कर्मचारियों के प्रशिक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राज्य के आम युवाओं के लिए भी रोजगार के द्वार खोल रहा है. यहाँ वर्तमान में छह मुख्य कोर्स संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें रअढ (सिस्टम्स एप्लीकेशंस एंड प्रोडक्ट्स), सीसीएनए (सिस्को सर्टिफाइड नेटवर्क एसोसिएट), जेरियाट्रिक केयर गिवर, फैशन डिजाइनिंग, कॉमिस और असिस्टेंट बेकिंग टेक्नीशियन शामिल हैं. ये पाठ्यक्रम आज के दौर की औद्योगिक जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं. इस स्किल पार्क की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहाँ प्रशिक्षुओं को पूरी तरह से निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है. छात्रों को मुफ्त आवास, भोजन, ट्रेनिंग किट और वर्दी (यूनिफॉर्म) उपलब्ध कराई जाती है. इतना ही नहीं, युवाओं को विदेशों में नौकरी दिलाने के लिए उन्हें अंग्रेजी के साथ-साथ जर्मन, फ्रेंच, स्पैनिश और जापानी जैसी विदेशी भाषाओं का भी ज्ञान दिया जा रहा है, ताकि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकें.अब तक इस केंद्र से 667 युवाओं को क्षमता संवर्धन का प्रशिक्षण दिया जा चुका है. गर्व की बात यह है कि इनमें से 204 प्रशिक्षुओं को देश और विदेश की बड़ी कंपनियों में रोजगार के सुनहरे अवसर प्राप्त हुए हैं. इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत और बिपार्ड के महानिदेशक बी. राजेंद्र सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे. सरकार का लक्ष्य इस मॉडल को और विस्तार देना है ताकि बिहार का हर युवा स्वावलंबी बन सके.

प्रशिक्षुओं से सीएम ने की बातचीत

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कक्षाओं में पढ़ रहे प्रशिक्षुओं से बातचीत की और उन्हें मन लगाकर प्रशिक्षण लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने के लिए लगातार प्रयासरत है और कौशल विकास के जरिए उन्हें आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया जा रहा है।

बिपार्ड में छह प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित

बिपार्ड स्किल पार्क में वर्तमान में छह प्रमुख प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित हैं, जिनमें उउठअ, जेरियाट्रिक केयर गिवर, फैशन डिजाइनिंग, कॉमिस और असिस्टेंट बेकिंग टेक्नीशियन जैसे कोर्स शामिल हैं। इन पाठ्यक्रमों के तहत प्रशिक्षुओं को निःशुल्क आवास, भोजन, प्रशिक्षण किट और वर्दी उपलब्ध कराई जाती है। साथ ही अंग्रेजी के अलावा जर्मन, फ्रेंच, स्पैनिश और जापानी भाषाओं का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

अधिकारियों ने सीएम को दी जानकारी

अधिकारियों के अनुसार, अब तक 667 युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है, जिनमें से 204 को देश-विदेश में रोजगार के अवसर मिले हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रशिक्षण की गुणवत्ता और सुविधाओं में लगातार सुधार सुनिश्चित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक युवाओं को लाभ मिल सके।

पहले दिन बीएड प्रथम वर्ष की परीक्षा कदाचारमुक्त संपन्न

केटी न्यूज। भोजपुर

जिले के एस.बी कॉलेज आरा में बीएड प्रथम वर्ष सत्र 2025-27 की परीक्षा बुधवार को कदाचार मुक्त वातावरण में सफलतापूर्वक शुरू हुई ।महाविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक के निर्देशन तथा प्राचार्य प्रो. डॉ. मीना कुमारी के नेतृत्व में प्रथम पाली की परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई गई ।परीक्षा को निष्पक्ष और सुव्यवस्थित बनाने के लिए कॉलेज प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियां की गई थीं। परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थियों के प्रवेश से पूर्व सघन जांच की गई और बिना प्रवेश पत्र किसी को अंदर आने की अनुमति नहीं दी गई। मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों,बैग तथा अन्य प्रतिबंधित सामग्री पर पूरी तरह रोक रही। परीक्षा कक्षों में निरीक्षकों द्वारा लगातार निगरानी रखी

गई, जिससे किसी भी प्रकार की अनुचित गतिविधि को रोका जा सका ।परीक्षा नियंत्रक अनवर इमाम ने बताया कि पूरी परीक्षा पारदर्शिता और अनुशासन के साथ संपन्न हुई। उन्होंने कहा कि सभी कक्ष निरीक्षकों एवं संबंधित अधिकारियों ने अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन ईमानदारी और सतर्कता से किया। महाविद्यालय प्रशासन का मुख्य उद्देश्य परीक्षा को नकलविहीन और शांतिपूर्ण वातावरण में आयोजित करना था, जिसमें वे सफल रहे। इसी दौरान उच्च अधिकारियों द्वारा औचक निरीक्षण भी किया गया। निरीक्षण के दौरान परीक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया और सभी व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया गया। किसी भी प्रकार की अनियमितता सामने नहीं आई।

रजौली प्रखंड में नए सीओ कृष्णकांत चौबे ने किया पदभार ग्रहण

केटी न्यूज। नवादा

अंचल कार्यालय में बुधवार को प्रशासनिक स्तर पर महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिला। जब कृष्णकांत चौबे ने प्रभारी अंचलाधिकारी के रूप में अपना पदभार ग्रहण किया। अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी संजीव कुमार झा ने औपचारिक रूप से उन्हें पदभार सौंपा और नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं दीं। पदभार ग्रहण करने के बाद कृष्णकांत चौबे ने कहा कि उनकी प्राथमिकता क्षेत्र के समग्र विकास, राजस्व कार्यों में पारदर्शिता तथा आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान पर रहेगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि अंचल कार्यालय में आने वाले लोगों को बेहतर सुविधा और समय पर सेवा प्रदान की जाएगी। वहीं,प्रखंड विकास पदाधिकारी

संजीव कुमार झा ने कहा कि अंचलाधिकारी और प्रखंड प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय से क्षेत्र में विकास कार्यों को गति मिलेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि नए अंचलाधिकारी के नेतृत्व में राजस्व एवं भूमि संबंधी मामलों का निष्पादन और अधिक प्रभावी ढंग से होगा। इस दौरान कर्मियों ने भी उनका स्वागत किया। वही लोगों में भी क्षेत्र में प्रशासनिक व्यवस्था और लंबित कार्यो का शीघ्र निपटारा होने की उम्मीद जगी है। मौके पर पूर्व अंचलाधिकारी गुफरान मजहरी के साथ कई लोग उपस्थित थे।

एक नजर

वीकेएसयू में 10 अप्रैल से शुरू होगी स्नातक सेमेस्टर-6 की परीक्षा

आरा । वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय में स्नातक सेमेस्टर-6 की परीक्षा 10 अप्रैल से शुरू होने जा रही है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सत्र 2023झ27 को समय पर बनाए रखने के उद्देश्य से परीक्षा और परिणाम प्रक्रिया को तेज किया है। परीक्षा फॉर्म भरने की प्रक्रिया 28 मार्च को समाप्त होते ही परीक्षा तिथियों की आधिकारिक घोषणा कर दी गई। परीक्षा दो पालियों में आयोजित होगी। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगी। पहली पाली में सामाजिक विज्ञान और मानविकी विषयों की परीक्षाएं होंगी, जबकि दूसरी पाली में वाणिज्य और विज्ञान संकाय के सभी विषयों की परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी ।परीक्षा नियंत्रक प्रो. अनवर इमाम ने जानकारी दी कि 10 अप्रैल को पहली पाली में मेजर कोर्स 10 और दूसरी पाली में वाणिज्य एवं विज्ञान संकाय के मेजर कोर्स 10 की परीक्षा होगी। 11 अप्रैल को दोनों पालियों में एमजेसी 11 की परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसके बाद 13 अप्रैल को भी दोनों पालियों में एमजेसी की परीक्षाएं जारी रहेंगी ।कार्यक्रम के तहत 15 अप्रैल को एमआईसी-7 और 16 अप्रैल को एमआईसी 8 की परीक्षाएं दोनों पालियों में ली जाएंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, ताकि परीक्षा शांतिपूर्ण और सुचारु रूप से संपन्न हो सके।

चौसा थर्मल पॉवर प्लांट में ठेकेदारी विवाद में बवाल, दोनों पक्ष लगा रहे हवाई फायरिंग का आरोप

बक्सर। चौसा स्थित बक्सर थर्मल पॉवर प्लांट में मिट्टी गिराने के ठेकेदारी विवाद में मंगलवार को ठेकेदारों के दो गुटों के बीच हिंसक झड़प हो गया। आरोप है कि इस दौरान बनारपुर गांव में दहशत फैलाने के लिए हवाई फायरिंग भी की गई। इस मामले में दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर रंगदारी मांगने, जान से मारने की कोशिश, छिनतई तथा हवाई फायरिंग जैसे संगीन आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराया है। एक पक्ष के आनंद राय ने दूसरे पक्ष के मनोरंजन पांडेय समेत आधा दर्जन लोगों को नामजद करते हु आरोप लगाया है कि प्लांट निर्माण कार्य में मिट्टी गिरा रही उनकी हाइवा को रोक लिया गया। जब मैं वहां पहुंचा तो ये लोग मेरे तथा मेरे पुत्र के साथ बदसलूकी किए तथा एक लाख रूपए रंगदारी की मांग करने लगे तथा पैसा नहीं देने पर जान मारने की धमकी दिए। इस दौरान इनलोगों ने मेरे गले से सोने का चेन तथा सोने का ब्रासलेट छिन लिए। वहीं, मनोरंजन पांडेय ने अपनी तहरीर में जिक्र किया है कि उन्हें गतिशक्ति प्रोजेक्ट में 24 करोड़ रूपए के ठेकेदारी का काम मिला था। काम बड़ा होने के कारण मैंने चार लोगों को साझीदार बनाया लेकिन पिछले एक साल से दो लोग न तो मुझे पैसा दे रहे थे और न ही हिसाब कर रहे थे। प्लांट के अधिकारियों से इसकी पूर्व में शिकायत भी की गई थी। मनोरंजन का कहना है कि पैसा मांगने आनंद राय तथा उनके पक्ष के लोग अपना अपराधिक इतिहास बताने लगे तथा जान मारने की नियत से फायरिंग किए। इस दौरान मै किसी तरह अपने वाहन से कूदकर जान बचाया। मनोरंजन ने आरोप लगाया कि है इनलोगों ने मेरा 60 हजार रूपया भी छिन लिया है। दोनों पक्षों से मिले आवेदन पर एफआईआर दर्ज कर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। इस संबंध में बक्सर एसपी शुभम आर्य ने बताया कि मिट्टी गिराने को लेकर विवाद हुआ है। मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। एसपी ने कहा कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

बक्सर स्टेशन पर सक्रिय उचक्कों का गैंग बेनकाब आरपीएफ-जीआरपी की त्वरित कार्रवाई में चार गिरफ्तार

बक्सर। रेलवे यात्रियों को निशाना बनाकर सक्रिय उचक्कों के एक गैंग का बक्सर स्टेशन क्षेत्र में पदार्फाश हुआ है। आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीम ने ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग मामलों में कुल चार अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों के पास से चोरी का सामान भी बरामद हुआ है, जिससे कई घटनाओं के खुलासे की उम्मीद जताई जा रही है। आरपीएफ इंस्पेक्टर कुंदन कुमार के अनुसार, पहली कार्रवाई बक्सर स्टेशन के पूर्वी यार्ड में की गई, जहां एक यात्री का सामान चोरी कर भाग रहे दो उचक्कों को रंगे हाथ दबोच लिया गया। इस दौरान जीआरपी प्रभारी विकास कुमार समेत संयुक्त टीम के जवान मौके पर मौजूद रहे। पकड़े गए आरोपियों की पहचान ऊधम सिंह नगर (उत्तराखंड) निवासी मंगल (28) और भोजपुर के कोईलवर निवासी राम चंद्र माली (30) के रूप में हुई है। इनके पास से महिला का पर्स, एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन और दो ब्लेड बरामद किए गए। वहीं दूसरी कार्रवाई में ट्रेन संख्या 01144 में हुई चोरी की वारदात का खुलासा हुआ। दानापुर कंट्रोल से सूचना मिलने के बाद टीम ने बक्सर-आरा रेलखंड पर चेन पुलिंग कर भागने की कोशिश कर रहे दो अन्य अपराधियों को धर दबोचा। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पटना साहिब निवासी राज कुमार (21) और दिल्ली के सीलमपुर निवासी फिरदौस आलम (40) के रूप में हुई है। इनके पास से एक मोबाइल फोन, 6,490 रुपये नकद और एक ब्लेड बरामद किया गया। पूछताछ में खुलासा हुआ है कि यह गिरोह चलती ट्रेनों में यात्रियों को निशाना बनाकर वारदात को अंजाम देता था और मौका मिलते ही चेन पुलिंग कर फरार हो जाता था। फिलहाल सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है, जबकि पुलिस गैंग के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है।

शराब तस्करों के खिलाफ उत्पाद विभाग कर रहा शराब जांच की खानापूर्ति

नवादा । जिला के रजौली थाना क्षेत्र अंतर्गत स्थित समेकित जांच चौकी पर उत्पाद विभाग के अधिकारियों और कर्मियों की लापरवाही सामने आई है। मंगलवार को शराब जांच के नाम पर खानापूर्ति की जा रही थी, लेकिन जैसे ही कैमरे पर नजर पड़ी,उन्होंने वाहनों की जांच शुरू कर दी। यह मामला रजौली थाना क्षेत्र अंतर्गत चितरकोली पंचायत स्थित समेकित जांच चौकी पर मध्य निषेध एवं उत्पाद विभाग के चेकपोस्ट का है। यहां झारखंड सीमावर्ती की ओर से आने वाले वाहनों में शराब की जांच के लिए अधिकारी और कर्मी तैनात हैं। हालांकि,वे अपनी ड्यूटी में लापरवाही बरतते हुए सिर्फ खानापूर्ति कर रहे थे। कई लग्जरी,वाहन मोटरसाइकिल,बसें बिना किसी रोक-टोक के आसानी से चेकपोस्ट को बाईपास कर रास्ते से बिहार में प्रवेश कर रही थीं।

रजौली अनुमंडल अस्पताल में असुविधा से मरीज परेशान,दंत चिकित्सा केंद्र ठप

- **पुलिस ने सरकारी शिक्षक सहित दो को किया गिरफ्तार**

केटी न्यूज। नवादा

अनुमंडलीय अस्पताल की हालत बदहाल हो चुके हैं ऊंची बिल्डिंग और स्टाफ के तामझाम होने के बावजूद रजौली अनुमंडलीय अस्पताल में मरीजों को दांत सेंटर से कोई फायदा नहीं मिल रहा है अस्पताल आने के बाद मरीजों को या तो रेफर की पर्ची थमा दी जाती है या फिर भगवान भरोसे यहां इलाज कराने को मजबूर होते हैं ।अनुमंडलीय अस्पताल का दंत चिकित्सा केंद्र अधिकांश समय बंद रहता है,जिससे दंत रोगियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यहां एक दंत चिकित्सक मुकेश कुमार की प्रतिनियुक्ति है,जो सप्ताह में एक या दो दिन ओपीडी में ड्यूटी कर लौट जाती हैं। विगत मंगलवार को अस्पताल पहुंचे तो पीड़ित मरीज रीना देवी ने बताया कि वे दांत के डॉक्टर को दिखाने आए थे, लेकिन चिकित्सक के अनुपस्थित रहने के कारण निजी अस्पताल में इलाज कराने जा रहे हैं ।स्थानीय लोगों और मरीजों का आरोप है कि कई बार डॉक्टर केवल निरीक्षण या अधिकारियों के दौरे के दौरान ही अस्पताल में उपस्थित रहते हैं नियमित दिनों में उनकी अनुपस्थिति आम बात बन गई है, जिससे लोगों का भरोसा सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था से उठता जा रहा है।

अनुमंडलीय अस्पताल में असुविधा : ऐसे मरीज ही इन अस्पतालों के सुरक्षा की पोल खोल रहे हैं बात रजौली अनुमंडलीय अस्पताल की करें तो अस्पताल में सबकुछ है, डॉक्टर हैं,लैब टेक्नीशियन है लेकिन ठीकरा मशीनों पर फोड़कर बचा जा रहा है जबकि हकीकत इसके बिल्कुल उलट है, क्योंकि जब मरीजों को इलाज नहीं मिला तो किस काम की व्यवस्था?

मरीजों को किया जाता है रेफर : छोटी-मोटी बीमारी को छोड़कर यहां पर दूसरे रोग का इलाज कराना खतरे से खाली नहीं है डॉक्टर भी रिस्क न लेकर रेफर करने में देरी नहीं करते स्थानीय लोग इसके पीछे की वजह अस्पताल प्रबंधन और सरकार की लापरवाही बताते हैं दूसरी तरफ अस्पताल के दंत चिकित्सक डॉ. मुकेश पर स्थानीय लोगों और मरीजों का आरोप है कि कई बार डॉक्टर केवल निरीक्षण या अधिकारियों के दौरे के दौरान ही अस्पताल में उपस्थित रहते हैं। लेकिन नियमित वह अस्पताल से गायब रहते है। जिसके कारण मरीजों को बिना इलाज के ही वापस लौटना पड़ता है। जो कहीं न कहीं घटिया सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था का पोल खोलता है। यह समस्या सिर्फ एक अस्पताल तक सीमित नहीं है, बल्कि रजौली अनुमंडल के दूर दराज ग्रामीण स्वास्थ्य ढांचे में व्यापक खामियों की ओर इशारा करती है संसाधन होने के बावजूद उनका सही उपयोग नहीं होना प्रशासनिक और सरकारी विफलता को दशार्ता है।

नाराज लोगों कार्रवाई की उठी मांग : मरीजों और उनके परिजनों ने प्रशासन से मांग की है कि अस्पतालों में समय पर सेवाएं सुनिश्चित की जाएं साथ ही, लापरवाह कर्मियों और अनुपस्थित डॉक्टरों पर सख्त कार्रवाई हो ताकि व्यवस्था में सुधार हो सके और लापता डेंटल डॉक्टर की तरह कोई जरूरतमंद मरीज को उसके होने का फायदा मिल सके। इस स्थिति का सबसे ज्यादा असर गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों पर पड़ रहा है कई मरीज पैसे के अभाव में जांच नहीं करा पा रहे हैं और बिना पूरी रिपोर्ट के ही इलाज करवाने को मजबूर हैं,जो उनके स्वास्थ्य के लिए जोखिम भरा है।

जमीनी विवाद में भांजे ने मामा की गोली मार की हत्या,परिवार में मातम

केटी न्यूज। रोहतास

थानाक्षेत्र के पड़ुरी गांव में खून के रिश्ते को कलंकित करने वाली सनसनीखेज घटना सामने आई है। दो भांजों ने अपने सगे मामा बैजनाथ सिंह (55) की गोली मारकर निर्मम हत्या कर दी। बुधवार सुबह करीब नौ बजे नासरीगंज-डेहरी मुख्य सड़क पर यह वारदात हुई। मृतक बैजनाथ सिंह अपने पुत्र सतीश सिंह उर्फ सोनू कुमार के साथ चाय-पान के लिए गांव के बाहर सड़क पर थे। तभी काले रंग की महिंद्रा एक्सयूवी 300 से उतरकर उनके भांजे गोपाल राय और रंजीत मउआर ने नजदीक से गोलियां चला दीं। गंभीर रूप से जख्मी बैजनाथ को नजदीकी पीएचसी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर एसडीपीओ बिक्रमगंज सिन्धु शेखर सिंह के नेतृत्व में

काराकाट, कच्छवां, आयरकोठा व नासरीगंज थाने की पुलिस फोर्स घटनास्थल पहुंची। एसडीपीओ ने परिजनों को हत्यारों को शीघ्र गिरफ्तार करने और न्याय का भरोसा दिलाया। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया गया। मृतक के पुत्र सोनू ने थाने में तहरीर देकर भांजों गोपाल राय व रंजीत मउआर समेत आधा दर्जन नामजद कराया। दोनों आरोपी सगे मौसेरे भाई हैं। एसडीपीओ ने बताया कि बैजनाथ की बहनें मायके में बस गई थीं। मृतक व भांजों के बीच जमीन-जायदाद को लेकर पुराना विवाद चल रहा था, जो पुलिस को सूचित नहीं किया गया। घटना वाले दिन भी दोनों पक्षों के बीच झड़प हुई थी। परिजनों में कोहराम मच गया है, पूरे गांव में सन्नाटा पसर गया। एसडीपीओ ने कहा, मामले की गहन जांच चल रही है, जिसमें संलिप्त हत्यारे को जल्द भेजा जायेगा सलाखों के पीछे।

बिहार में मौसम का बड़ा बदलाव : आंधी-बारिश के बाद अब बढ़ेगी गर्मी

■ पारा 40 डिग्री पार जाने का अलर्ट

एजेंसी। पटना

बिहार में आंधी-बारिश के बाद अब भीषण गर्मी का दौर शुरू होने वाला है. मौसम विभाग ने अगले चार दिनों में तापमान 40 डिग्री पार जाने की चेतावनी जारी की है और लोगों को सचेत रहने को कहा है. बिहार में आंधी-तूफान और ओलावृष्टि का दौर थमते ही अब भीषण गर्मी ने दस्तक दे दी है। अप्रैल के पहले दिन से ही तापमान में तेजी से बढ़ोतरी के संकेत मिल रहे हैं। मौसम विभाग (आईएमडी) ने चेतावनी दी है कि अगले चार दिनों में पारा 40 डिग्री के पार जा सकता है। डॉक्टरों ने भी लोगों को लू और डिहाइड्रेशन से बचने के लिए सतर्क रहने की सलाह दी है। बीते 24 घंटों में बिहार के मौसम ने कई रंग दिखाए। सीतामढ़ी में तेज ओलावृष्टि हुई, जबकि मुजफ्फरपुर और पूर्णिया में पूरी रात आंधी और बारिश का असर देखने को मिला। हालांकि सुबह का मौसम सुहावना रहा, लेकिन यह बदलाव आने वाली भीषण गर्मी की आहट माना जा रहा है। उत्तर बिहार में अभी हल्की ठंडक बनी हुई है, जबकि दक्षिण और पश्चिम बिहार के इलाकों में गर्मी बढ़ने लगी है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ दिनों में तापमान में करीब 3 डिग्री तक बढ़ोतरी हो सकती है। दक्षिण और मध्य बिहार के कई हिस्सों में पारा 40 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है। खासकर कैमूर और आसपास के जिलों में गर्मी का असर ज्यादा रहेगा। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि सुबह 10 बजे के बाद ही गर्मी का असर महसूस होने लगेगा, जबकि दोपहर 12 से 3 बजे के बीच हालात सबसे ज्यादा कठिन रहेंगे। पटना में फिलहाल मौसम सामान्य बना हुआ है। दिन में धूप के कारण हल्की गर्मी महसूस हो रही है, जबकि सुबह और शाम को चलने वाली हवा से राहत मिल रही है। हालांकि 4-5 अप्रैल के बाद यहां भी तापमान तेजी से बढ़ने की संभावना है और पारा 40 डिग्री के करीब पहुंच सकता है। 1 से 6 अप्रैल के बीच बारिश की संभावना बेहद कम है और मौसम शुष्क बना रहेगा।

खनन से मालामाल बिहार : 3592 करोड़ की वसूली नियम तोड़ने वाली 78 कंपनियां हुई टेंडर से बाहर

एजेंसी। पटना

उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बुधवार को बताया कि तमाम नुकसान और चुनौतियों के बावजूद खान एवं भूतत्व विभाग ने इस साल 3592 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड राजस्व हासिल किया है। इसके साथ ही बालू घाट सरेंडर करने वाली 78 कंपनियों पर सरकार ने सख्त रुख अपनाते हुए उन्हें नए टेंडर से बाहर करने का फैसला लिया है।बिहार के उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बताया कि खान एवं भूतत्व विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 3592.60 करोड़ रुपये के राजस्व की वसूली की है। यह वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्राप्त 3536.21 करोड़ रुपये की तुलना में 56.39 करोड़ रुपये अधिक है। उन्होंने बुधवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि विभाग अपने 3850 करोड़ रुपये के राजस्व लक्ष्य को भी जल्द हासिल कर लेगा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि ऐसे समय में हासिल हुई है, जब कुल 78 बालू घाटों का लीज सरेंडर कर दिया गया था, जिससे सरकार को लगभग 600 करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान हुआ। इसके अलावा, विभिन्न कार्य विभागों से भी इस वर्ष कम राजस्व प्राप्त हुआ। वित्तीय वर्ष 2024-25 में जहां 511 करोड़ रुपये मिले थे, वहीं 2025-26 में यह घटकर 369 करोड़ रुपये रह गया, जिससे करीब 150 करोड़ रुपये का अतिरिक्त नुकसान हुआ। उन्होंने बताया कि 31 मार्च 2026 तक तकनीकी कारणों से विभाग को विभिन्न एजेंसियों और विभागों से 309 करोड़ रुपये प्राप्त नहीं हो सके हैं। इसमें रेलवे से 32 करोड़, ग्रामीण कार्य विभाग से 70 करोड़, सीपीडब्ल्यूडी से 20 करोड़ और पटना मेट्रो से 6.5 करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है। इन राशियों के प्राप्त होने के बाद विभाग का कुल राजस्व 3800 करोड़ रुपये के लक्ष्य को पार कर सकता है।

निर्धारित लक्ष्य से अधिक राजस्व वसूली

सिन्हा ने बताया कि राज्य के 21 जिलों ने अपने निर्धारित लक्ष्य से अधिक राजस्व वसूली की है, जिसके लिए उन्होंने संबंधित अधिकारियों और कर्मियों को बधाई दी। इस अवसर पर विभाग के निदेशक मनेश कुमार मीणा, अपर सचिव भारत भूषण प्रसाद सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

78 कंपनियों पर टेंडर से बैन

इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि बालू घाटों का लीज सरेंडर करने वाली कंपनियों को अब नए टेंडर में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी। कुल 78 घाटों को सरेंडर करने वाली कंपनियों को चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि ओवरलोडिंग और अवैध खनन पर सख्ती के कारण कंपनियों ने यह कदम उठाया। विभाग ने 12 बालू घाटों के ऑक्शन के लिए नए टेंडर जारी कर दिए हैं। उप मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि 'बिहारी खनन योद्धा पुरस्कार' के तहत 96 लोगों के बैंक खातों में कुल 4.90 लाख रुपये ट्रांसफर किए गए हैं।

30 ब्लॉकों में स्टोन माइनिंग लीज की पहचान

राजस्व बढ़ाने के उद्देश्य से विभाग ने 30 ब्लॉकों में स्टोन माइनिंग लीज की पहचान की है। उन्होंने कहा कि इस कदम से न केवल दूसरे राज्यों से पत्थरों के आयात पर निर्भरता कम होगी, बल्कि राज्य में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

एक नजर

बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत: हर सोमवार-शुक्रवार लगेगा सहायता शिविर

पटना। बिहार में बिजली उपभोक्ताओं के लिए बड़ी राहत की खबर है। अब उपभोक्ताओं को अपनी बिजली से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए दूर के कार्यालयों या प्रमंडल केंद्रों तक जाने की जरूरत नहीं होगी। राज्य ऊर्जा विभाग ने नई योजना के तहत हर सोमवार और शुक्रवार को विद्युत उपभोक्ता केंद्रों में सहायता शिविर आयोजित करने की घोषणा की है। इन शिविरों में उपभोक्ताओं की शिकायतों का 72 घंटे के भीतर समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य गर्मियों में बढ़ते बिजली लोड के बीच निर्बाध और क्वालिटी बिजली आपूर्ति को सुनिश्चित करना और उपभोक्ताओं को सुविधाजनक सेवा प्रदान करना है। बिहार में निर्बाध बिजली आपूर्ति के ऊर्जा विभाग ने एक बड़ा मास्टर प्लान तैयार किया है। जिससे उपभोक्ताओं को अब किसी प्रकार की बिजली समस्या होने पर प्रमंडल कार्यालय या बिजली उपकेंद्र में आने की जरूरत नहीं होगी। विभाग ने अब उपभोक्ताओं की हर समस्या के निवारण के लिए एक नयी योजना बना रही है। जिसमें हर सोमवार व शुक्रवार को विद्युत उपभोक्ता केंद्र में सहायता शिविर का आयोजन किया जायेगा। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि गर्मियों में राजधानी समेत प्रदेश के सभी जिलों व कस्बों में क्वालिटी बिजली आपूर्ति के लिए बिजली उपकेंद्र में सहायता शिविर का आयोजन किया जायेगा। ताकि उपभोक्ताओं को बिजली संबंधित समस्या होने पर बिजली ऑफिस का चक्कर नहीं काटना पड़े। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि उपभोक्ता द्वारा दर्ज शिकायतों को 72 घंटों के भीतर निवारण करने का निर्देश भी जारी किया जायेगा। ताकि प्रदेश के हर घर में बिना रुकावट बिजली आपूर्ति दी जा सकें।

पटना मेट्रो के मजदूरों का जोरदार हंगामा, ज्यादा काम लेने और कम मजदूरी देने का आरोप

पटना। पटना मेट्रो परियोजना से जुड़े मजदूरों ने कार्य परिस्थितियों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। मजदूरों का आरोप है कि उनसे तय समय से कहीं अधिक काम कराया जा रहा है, जबकि भुगतान तय मजदूरी के अनुसार ही किया जा रहा है। मजदूरों के अनुसार, उन्हें 12 घंटे की मजदूरी दी जाती है, लेकिन उनसे 16 से लेकर 24 घंटे तक काम लिया जाता है। इस कारण उनकी सेहत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है और उन्हें पर्याप्त आराम भी नहीं मिल पा रहा है। प्रदर्शन के दौरान मजदूरों ने अपनी मांगों को जोर-शोर से उठाया। उन्होंने कहा कि काम के घंटे निर्धारित किए जाएं और उसी के अनुरूप मजदूरी दी जाए। साथ ही ओवरटाइम के लिए अलग से उचित भुगतान की भी मांग की गई। इस मुद्दे को लेकर परियोजना प्रबंधन पर भी सवाल उठने लगे हैं। मजदूरों का आरोप है कि उनकी शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। प्रदर्शन के दौरान कुछ समय के लिए स्थिति तनावपूर्ण हो गई थी, हालांकि बाद में हालात सामान्य हो गए। पटना मेट्रो की एपीआरओ अर्चना कुमारी ने बताया कि स्थिति अब नियंत्रण में है। मजदूर काम पर लौट चुके हैं और परियोजना का कार्य प्रभावित नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि मजदूरों की कुछ समस्याएं थीं, जिन्हें कंपनी द्वारा दूर कर दिया गया है।

नालंदा शीतला मंदिर भगदड़ मामले में एक्शन : एसएचओ समेत पांच पुलिसकर्मी सस्पेंड, पंडा समिति पर केस

एजेंसी। नालंदा

नालंदा के शीतला मंदिर में भगदड़ मामले में 5 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है. इस मामले में पंडा समिति के 20 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है. नालंदा के मघड़ा स्थित शीतला मंदिर में हुई भगदड़ के बाद प्रशासन ने बड़ा एक्शन लिया है। इस घटना में 8 महिलाओं समेत कुल 9 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि कई लोग घायल हुए थे। मामले में लापरवाही बरतने के आरोप में दीपनगर थाना प्रभारी (रल्ड) राजमणि सहित 4 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है। इसकी जानकारी मंत्री दिलीप जायसवाल ने दी। दरअसल, मंगलवार को मंदिर में भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी थी, तभी अचानक भगदड़ मच गई। प्रारंभिक जांच में भीड़ नियंत्रण में गंभीर लापरवाही सामने आई है। डीजी ऑपरेशन और स्पेशल ब्रांच कुंदन कृष्णन ने मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया और माना कि भीड़ प्रबंधन में बड़ी चूक हुई है। जांच में यह भी सामने आया कि मंदिर परिसर में अव्यवस्थित तरीके से दुकानें लगाई गई थीं, जिससे आने-जाने का रास्ता काफी संकरा हो गया था। भीड़ बढ़ने के बाद लोगों को बाहर निकलने का रास्ता नहीं मिला और हालात बेकाबू हो गए। इस मामले में पंडा समिति के 20 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इनमें से 4 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि अन्य की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगालकर कार्रवाई की है। बताया जा रहा है कि जिन लोगों पर केस दर्ज किया गया है, वे सभी मघड़ा गांव के निवासी हैं और घटना के समय मंदिर परिसर में मौजूद थे। प्रशासन पूरे मामले की गहन जांच कर रहा है।

रोहतास में दिनदहाड़े हत्या कांड पर सख्त एक्शन, फरार आरोपियों के घर कुर्क

एजेंसी। पटना

रोहतास जिले में सासाराम मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत मुरादाबाद गांव में बीते 24 मार्च को दिनदहाड़े हुई एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बुधवार की शाम तीन फरार अभियुक्तों का घर कुर्क कर दिया। एक तरफ पुलिस की इस कार्रवाई से जहां पूरे गांव में हड़-कंप मच गया, वहीं दूसरी ओर लोगों ने इस कदम की खूब सराहना की। बता दें कि बीते 24 मार्च को मुरादाबाद गांव में जमीन विवाद को लेकर एक व्यक्ति की दिनदहाड़े सड़क पर पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। वहीं घटना का एक वीडियो भी खूब वायरल हुआ , जिसके बाद रोहतास पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे। हालांकि पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए चार अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया, लेकिन घटना में संलिप्त अन्य आरोपी अभी भी फरार चल रहे हैं। वहीं पति हसन रजा की सरेआम हत्या के बाद पत्नी रेशमा खातून ने मानसिक तनाव में आकर अपने दो मासूम बच्चों संग जहर खा लिया। हालांकि दोनों बच्चों की स्थिति खतरे से बाहर है, लेकिन मंगलवार की देर रात पत्नी की वाराणसी में इलाज के दौरान मौत हो गई। कुर्की जब्ती के दौरान बुधवार की शाम गांव में भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती रही। न्यायालय के आदेश पर सदर एसडीपीओ दो कुमार वैभव के नेतृत्व में पुलिस ने फरार अभियुक्तों के घरों की कुर्की शुरू की और इस दौरान घर के दरवाजे, खिड़की तथा अन्य कीमती सामानों को जब्त कर लिया गया। वहीं कुर्की के दौरान गांव में ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा रही। एसडीपीओ कुमार वैभव ने बताया कि हत्या मामले में चार गिरफ्तारियां पहले हीं हो चुकी हैं, लेकिन तीन आरोपियों ने आत्मसमर्पण नहीं किया, जिसके बाद न्यायालय के आदेश पर उनके घरों की कुर्की की गई है। जानकारी के अनुसार तीनों फरार आरोपी आपस में सगे भाई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि रोहतास पुलिस अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है और घटना में शामिल किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

जन सुराज को फिर से खड़ा करने में जुटे प्रशांत किशोर, 15 नए प्रदेश महासचिव की लिस्ट जारी

एजेंसी। पटना

प्रशांत किशोर अपनी पार्टी जन सुराज को फिर से मजबूत करने में जुट गए हैं। इसी क्रम में पार्टी ने बुधवार को 15 नए प्रदेश महासचिवों की सूची जारी की। इन नियुक्तियों में जातिगत संतुलन का विशेष ध्यान रखा गया है, जिसमें यादव, सहनी, मांझी, ब्राह्मण, मुस्लिम समेत अन्य जातियों को तरजीह दी गई है। बता दें कि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में करारी हार के बाद प्रशांत किशोर ने जन सुराज पार्टी में संगठनात्मक बदलाव की प्रक्रिया शुरू की थी। पहले पार्टी की पंचायत और प्रदेश स्तर की इकाइयों को भंग कर दिया गया था। इसके बाद पीके ने पश्चिम चंपारण जिले के बगहा से बिहार नवनिर्माण यात्रा की शुरूआत की और विभिन्न जिलों का दौरा कर संगठन के पुनर्गठन पर ध्यान दिया। जन सुराज के प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती ने बताया कि नई जिम्मेदारी में प्रदेश महासचिव क्षेत्रीय कोर कमिटी और जिला कार्यकारिणी के साथ समन्वय स्थापित करेंगे और संगठन के विस्तार तथा कार्यक्रमों के प्रभावी संचालन का कार्य संभालेंगे। प्रशांत किशोर बिहार में अपनी पार्टी को मजबूती देने के लिए जिलों में जाकर नए पदाधिकारियों की नियुक्ति कर रहे हैं। आने वाले दिनों में और भी पदों पर नई नियुक्तियां की जा सकती हैं।

जन सुराज के प्रदेश महासचिवों की लिस्ट

- नरेश मांझी (गयाजी)
- सुरेश पटेल (वैशाली)
- हेमंत चौबे (कैमूर)
- अमित सागर (लखीसराय)
- सुरेंद्र यादव (दरभंगा)
- नवल किशोर सिंह (सहरसा)
- हसमुद्दीन खान (सीवान)
- शत्रुघ्न सहनी (मुजफ्फरपुर)
- अरविंद साह (भागलपुर)
- विजय कुमार (किशनगंज)
- ब्रजेंद्र कुमार सिंह उर्फ मुन्ना भवानी (सारण)
- सुबोध यादव (पूर्वी चंपारण)
- इत्तेफाक आलम (पूर्णिया)
- संजय गौतम (बेगूसराय)
- समीउल्लाह शमीम (दरभंगा)

डबल इंजन की सरकार में डिजिटल प्लेटफॉर्म से बदलेगा नर्सिंग शिक्षा का चेहरा : मंगल पांडेय

एजेंसी। पटना

बिहार में नर्सिंग शिक्षा के क्षेत्र में एक नई क्रांति का आगाज हुआ है। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने नर्सिंग संस्थानों को मान्यता देने की पूरी प्रक्रिया को डिजिटल बनाने वाला प्लेटफॉर्म शास्त्री नगर, पटना में शुभारंभ किया। इस नई व्यवस्था से नर्सिंग कॉलेजों की एनओसी प्रक्रिया अब पूरी तरह ऑनलाइन और पारदर्शी हो जाएगी। इस पहल का उद्देश्य न केवल प्रक्रियाओं को सरल बनाना है, बल्कि नर्सिंग शिक्षा की गुणवत्ता और निगरानी को भी मजबूत करना है। डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से बिहार के नर्सिंग संस्थानों के योग्य डिग्रीधारक अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सेवाएं प्रदान कर सकेंगे। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय के द्वारा नर्सिंग संस्थानों को मान्यता प्रदान करने हेतु एक डिजिटल प्लेटफॉर्म का ऊर्जा ऑडिटोरियम (शास्त्री नगर) में शुभारंभ किया गया। इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से नर्सिंग संस्थानों की मान्यता (एनओसी) से जुड़ी पूरी प्रक्रिया अब ऑनलाइन और पारदर्शी तरीके से संपन्न होगी। इस अवसर पर पांच संस्थानों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया। श्री पांडेय ने कहा कि आज का दिन बिहार के स्वास्थ्य तंत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक है। आज हम केवल एक डिजिटल प्लेटफॉर्म का शुभारंभ नहीं कर रहे हैं, बल्कि हम बिहार की स्वास्थ्य सेवाओं को डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से और अधिक सशक्त, संगठित और प्रभावी बना रहे हैं। यह नई व्यवस्था स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक नई क्रांति है। आने वाले दिनों मे यह स्वास्थ्य सेवा का एक मजबूत आधार बनेगा। इस नई व्यवस्था के तहत योग्य नर्सिंग स्टाफ राज्य के मरीजों को गुणवत्तापूर्ण सेव दे पाएंगे। मंगल पांडेय ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में सात निश्चय-2 के तहत नर्सिंग संस्थानों के विकास पर विशेष बल दिया गया है। एक दशक पहले बिहार में नर्सिंग शिक्षा के अवसर सीमित थे, जबकि आज राज्य में एएनएम, जीएनएम, बीएससी और एमएससी नर्सिंग के कुल 656 सरकारी एवं गैर-सरकारी संस्थान संचालित हो रहे हैं। जिनमें 41,065 स्वीकृत सीटें उपलब्ध हैं। अब डिजिटल प्लेटफॉर्म संस्थानों की निगरानी और डेटा प्रबंधन को और अधिक सुदृढ़ करेगा। आने वाले समय में बिहार देश के लिए एक आदर्श मॉडल बनकर उभरेगा। यह नई व्यवस्था स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक नई क्रांति है। राज्य सरकार महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है। नर्सिंग शिक्षा इस दिशा में एक सशक्त माध्यम है। इस नई व्यवस्था के लागू होने के बाद बिहार के नर्सिंग संस्थानों के डिग्रीधारक की योग्यता राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मानक के अनुरुप होगा। मंगल पांडेय ने कहा कि इस पोर्टल को दो प्रमुख उद्देश्यों के साथ विकसित किया गया है। पहला, नए नर्सिंग कॉलेजों के लिए आवेदन एवं एनओसी प्राप्त करने की पूरी प्रक्रिया डिजिटल माध्यम से होगी। दूसरा, पहले से मान्यता प्राप्त संस्थान यदि अपनी सीट बढ़ाना चाहते हैं या संस्थान को अपग्रेड करना चाहते हैं। वे भी इसी पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे। यह डिजिटल प्लेटफॉर्म न केवल प्रक्रियाओं को सरल बनाएगा, बल्कि गुणवत्ता सुनिश्चित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। लेकिन गुणवत्ता के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के सचिव श्री लोकेश कुमार सिंह ने कहा कि पहले नर्सिंग संस्थानों की मान्यता की प्रक्रिया कागजी कार्यवाही पर आधारित थी, जिसे अब डिजिटल कर दिया गया है। इससे न केवल गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि पारदर्शिता भी बढ़ेगी।

मिड डे मील बना मुसीबत: छोले-चावल खाते ही 15 बच्चे बीमार, अस्पताल में भर्ती

एजेंसी। भागलपुर

भागलपुर के शाहजंगी गंगटा मैदान स्थित प्राथमिक विद्यालय से एक बड़ी लापरवाही का मामला सामने आया है, जहां मिड डे मील खाने के बाद करीब 15 बच्चों की अचानक तबीयत बिगड़ गई। बच्चों को आनन-फानन में एंबुलेंस के जरिए सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि स्कूल में बच्चों को छोले-चावल दिया गया था। बच्चों के अनुसार, छोले का स्वाद काफी खट्टा था, लेकिन भूख लगने के कारण उन्होंने खाना खा लिया। खाना खाने के कुछ ही देर बाद बच्चों को पेट दर्द, उल्टी और चक्कर आने की शिकायत होने लगी, जिसके बाद उनकी हालत बिगड़ती चली गई। घटना की जानकारी मिलते ही हबीबपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और बच्चों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। वहीं, हैरान करने वाली बात यह रही कि इलाज के दौरान अस्पताल में न तो स्कूल के शिक्षक मौजूद थे और न ही प्रधानाचार्य, जिससे परिजनों में काफी आक्रोश देखा गया। एक अभिभावक ने बताया कि सूचना मिलने पर वे अस्पताल पहुंचे, लेकिन वहां स्कूल प्रबंधन का कोई भी जिम्मेदार व्यक्ति मौजूद नहीं था। इससे अभिभावकों में नाराजगी बढ़ गई है। डॉक्टरों के अनुसार, सभी बच्चों का इलाज किया जा रहा है और उनकी स्थिति पर नजर रखी जा रही है।